Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 173
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार,22 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

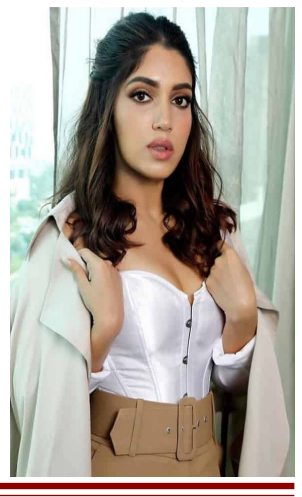

2 माघ मेला प्रयागराज में श्रीमद्भागवत कथा का दिव्य 5 बिना जिम के घर बैठे ढाई महीने में कम कर सकते 7 भूमि पेडनेकर की सीरीज 'दलदल' का ट्रेलर

एक जनपद-एक व्यंजन होगा इस वर्ष का प्रमुख आकर्षण; हर जिले के स्वाद से परिचय कराएगा :सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश के प्रत्येक जनपद की सक्रिय सहभागिता, सांस्कृतिक विविधता और विकास की साझा चेतना के साथ उत्तर प्रदेश दिवस-2026 इस वर्ष एक भव्य जनोत्सव के रूप में मनाया जाएगा।24 से 26 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाले इस आयोजन में उत्तर प्रदेश की संस्कृति, शिल्प, व्यंजन और विकास यात्रा को जनभागीदारी के माध्यम से एक ही मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उत्तर प्रदेश दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रदेश की पहचान, उपलब्धियों और संभावनाओं को जनसहयोग के साथ प्रदर्शित करने का अवसर है। उन्होंने निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश दिवस को जनोत्सव के रूप में आयोजित किया जाए, जिसमें प्रदेश की आत्मा हर स्तर पर दिखाई दे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी की गरिमामयी उपस्थिति आयोजन को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान प्रदान करेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं गरिमा, अनुशासन एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित की जाएं। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी जनपदों में किया जाएगा, ताकि उत्तर प्रदेश दिवस का उत्सव एक साथ पूरे प्रदेश में मनाया जा सके। बैठक में अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश की थीम पर आधारित विशेष प्रदर्शनी और शिल्प मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेश की विकास यात्रा, नवाचार, बुनियादी ढांचे, उद्योग, कृषि, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस वर्ष एक जनपद-एक व्यंजन को आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा। इसके अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक जनपद के पारंपरिक और विशिष्ट व्यंजन एक ही परिसर में उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि आगंतुक उत्तर प्रदेश के विविध स्वाद, खान-पान परंपराओं और स्थानीय पहचान से परिचित हो सकें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संस्कृति उत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उत्तर प्रदेश दिवस से प्रभावी रूप से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति-हमारी पहचान की भावना के अनुरूप लोक, शास्त्रीय एवं समकालीन कला रूपों को मंच प्रदान किया जाए तथा कलाकारों एवं आगंतुकों के लिए समुचित सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि 24 जनवरी को आयोजित मुख्य समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सभी जनपदों के गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया जाए, ताकि प्रदेश की सामूहिक उपलब्धियों का सम्मान किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस-2026 को ऐसा आयोजन बनाया जाए, जो प्रदेश की संस्कृति, स्वाद, शिल्प और विकास दृष्टि को एक साथ प्रस्तुत करे तथा प्रत्येक आगंतुक के लिए यह अनुभव प्रेरणादायी, स्मरणीय और गर्व का विषय बने।

गृह मंत्री ने किया कल्याण पत्रिका के शताब्दी अंक का विमोचन

सीएम धामी भी हुए शामिल

ऋषिकेश (एजेंसी)। गीताभवन में आयोजित कार्यक्रम में करीब दो घंटे का समय व्यतीत करने के बाद वह बैराज रोड होते हुए हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना होंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज स्वर्गाश्रम जौंक स्थित गीताभवन (नंबर सात) में गीताप्रेस गोरखपुर की सुप्रसिद्ध कल्याण पत्रिका के शताब्दी महोत्सव में पहुंचे। वेद निकेतन हेलीपैड पर उनका स्वागत किया गया। इसके बाद वह गीताभवन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कल्याण पत्रिका के शताब्दी अंक का विमोचन किया।बताया गया कि अब तक कल्याण पत्रिका की 17 करोड़ पचास लाख प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं। अब यहां करीब दो घंटे का समय व्यतीत करने के बाद वह बैराज रोड होते हुए हरिद्वार में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रवाना होंगे।

आम लोगों के लिए इस दिन से खुलेगा अमृत उद्यान,राष्ट्रपति सचिवालय ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति सचिवालय ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रपति भवन का प्रसिद्ध अमृत उद्यान तीन फरवरी से 31 मार्च 2026 तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। लोग सप्ताह में छह दिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक (अंतिम प्रवेश 5.15 बजे) उद्यान आ सकते हैं। मंगलवार को उद्यान बंद रहेगा, क्योंकि उस दिन रखरखाव का काम होता है। साथ ही होली के कारण चार मार्च को भी उद्यान बंद रहेगा। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, राष्ट्रपति भवन का अमृत उद्यान तीन फरवरी से 31 मार्च 2026 तक आम जनता के लिए खुला रहेगा। उद्यान में प्रवेश और बुकिंग निःशुल्क है और राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट से बुकिंग की जा सकती है। सभी आगंतुकों के लिए प्रवेश और निकास राष्ट्रपति भवन परिसर के गेट नंबर 35 से होगा। आगंतुकों की सुविधा के लिए, केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन से गेट नंबर 35 तक शटल बस सेवा सुबह साढ़ नौ बजे से शाम छह बजे के बीच हर 30 मिनट पर उपलब्ध रहेगी। शटल बसों को श्अमृत उद्यान के लिए शटल सेवा बैनर से पहचाना जा सकता है।

मोदी मंत्रिमंडल का बड़ा फैसला

2031 तक जारी रहेगी अटल पेंशन योजना, अगले 5 साल तक मिलेगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सरकार की प्रमुख अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने को बुधवार को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही प्रचार, विकासात्मक गतिविधियों और श्गैप फंडिंगश के लिए वित्तीय सहायता के विस्तार को भी स्वीकृति दी गई है। वित्तीय कमी की पूर्ति को श्गैप फंडिंगश कहते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, असंगठित क्षेत्र के कामगारों के बीच पहुंच बढ़ाने के लिए जागरूकता एवं क्षमता निर्माण जैसी गतिविधियों को सरकारी समर्थन मिलता रहेगा। अटल पेंशन योजना की शुरूआत नौ मई 2015 को की गई थी। जिसका मकसद असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में आय सुरक्षा प्रदान करना

है। विज्ञप्ति के अनुसार, 19 जनवरी 2026 तक एपीवाई के तहत 8.66 करोड़ से अधिक सदस्य पंजीकृत हो चुके हैं। योजना के तहत योगदान के आधार पर 60 वर्ष की आयु के बाद 1,000 रुपये से 5,000 रुपये प्रति माह तक की न्यूनतम पेंशन की गारंटी का प्रावधान है। सरकार ने भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) को 5,000 करोड़ रुपये की इक्विटी सहायता देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। सरकार ने एक वक्तव्य जारी कर कहा है कि 5,000 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी वित्तीय सेवा विभाग द्वारा सिडबी में तीन चरणों में निवेश की जाएगी। इसमें वित्तीय वर्ष 2025-26 में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश 31.03.2025 के बुक वैल्यू पर प्रति शेयर 568.65 रुपये किया जाएगा। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2026-27 और 2027-28 में क्रमशः 1,000 करोड़ रुपये, 1,000 करोड़ रुपये की राशि संबंधित पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष की 31 मार्च की बुक वैल्यू पर निवेश की जाएगी।

लोग इस भरोसे के साथ वोट देते हैं कि निर्वाचित प्रतिनिधि उनकी समस्याएं हल करेंगे: ओम बिरला

लखनऊ (संवाददाता)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कहा कि लोग चुनाव में इस उम्मीद के साथ मतदान करते हैं कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि उनकी समस्याओं, मुश्किलों और चुनौतियों को विधायिका तक ले जाएंगे तथा उन्हें हल करने की दिशा में काम करेंगे। बिरला ने यहां 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन और विधायी निकायों के सचिवों के 62वें सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि विधायिका वह मंच है जिसके माध्यम से आखिरी व्यक्ति की आवाज सरकार तक पहुंचती है। उनका कहना था, जब कोई नागरिक अपना वोट डालता है, तो वह इस विश्वास के साथ ऐसा करता है कि अगले पांच वर्षों तक उसका चुना हुआ प्रतिनिधि उसके मुद्दों

को सदन के सामने रखेगा और समाधान निकलेंगे। न्यायपालिका का उदाहरण देते हुए बिरला ने कहा कि जिस तरह लोग अदालतों पर निष्पक्ष सुनवाई का भरोसा करते हैं, उसी तरह वे विधायिका से भी सकारात्मक सोच और रचनात्मक दृष्टिकोण के साथ काम करने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने कहा, अगर प्रतिनिधि सकारात्मक इरादे से मुद्दे उठाते हैं और सार्थक बहस के माध्यम से दिशा देते हैं, तो निश्चित रूप से विधायिकाओं के माध्यम से परिणाम सामने आएंगे। बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि पीठासीन अधिकारियों और सचिवों के सम्मेलन लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने और उन्हें सार्वजनिक अपेक्षाओं के प्रति अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और जिम्मेदार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विधायी बैठकों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि सदनों की कार्यवाही की घटती अवधि पर बार-बार चिंता जताई गई है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाने चाहिए कि राज्य विधायिकाएं सालाना कम से कम 30 दिन बैठें और सकारात्मक, मुद्दे-आधारित चर्चाओं में शामिल हों। अध्यक्ष ने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक संस्थानों को लोगों के करीब लाने और उनके कामकाज को विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य के साथ जोड़ने के लिए निरंतर संवाद, नवाचार और सुधारों की आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे। बिरला ने लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए उत्तर प्रदेश द्वारा की गई पहलों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विधायिकाओं के भीतर निरंतर चर्चा और संवाद राज्यों को विकास और सुशासन की दिशा में लगातार आगे बढ़ने में मदद करेगा।

सबरिमला सोना चोरी मामला, केरल की अदालत ने मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी को जमानत दी

कोल्लम (एजेंसी)। केरल की एक अदालत ने सबरिमला में भगवान अयप्पा मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) के द्वार की चौखट से सोने की चोरी के मामले में मुख्य आरोपी बेंगलुरु के व्यवसायी उन्नीकृष्णन पोट्टी को बुधवार को जमानत दे दी। पोट्टी फिलहाल जेल में ही रहेंगे क्योंकि उन्हें मंदिर के द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों से सोना चोरी होने के मामले में भी गिरफ्तार किया गया है। यहां की एक सतर्कता अदालत ने श्रीकोविल द्वार की चौखट से सोने की चोरी के मामले में उन्हें जमानत दी है। उन्होंने इस आधार पर जमानत का अनुरोध किया था कि मामलों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने निर्धारित अनिवार्य 90 दिनों की अवधि समाप्त होने के बावजूद आरोपपत्र दाखिल नहीं किया है। जमानत से जुड़ा विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं है। एसआईटी ने अब तक दोनों मामलों में पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के दो पूर्व अध्यक्षों सहित 12 लोगों को गिरफ्तार किया है।

देशभर के मनरेगा श्रमिकों से सीधा संवाद करेंगे खरगे-राहुल

25 राज्यों से 400 से अधिक श्रमिक-कार्यकर्ता लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने गुरुवार को यहां महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना-मनरेगा पर एक राष्ट्रीय संवाद का आयोजन किया है जिसमें देश के करीब 25 राज्यों से 400 से अधिक मनरेगा श्रमिक तथा कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे और मनरेगा को खत्म करने से हो रहे नुकसान पर व्यापक चर्चा करेंगे। कांग्रेस रचनात्मक विभाग के प्रमुख संदीप दीक्षित ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मनरेगा लोगों को अधिकार के रूप में मिला है लेकिन भाजपा सरकार ने इस अधिकार को छीना है और कांग्रेस इसका विरोध कर रही है और इसकी बहाली के लिए देशव्यापी आंदोलन चला रही है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने मनरेगा में काम किया है उनके विचार से रू-ब-रू होने के मद्देनजर गुरुवार को यहां जवाहर भवन में संवाद कार्यक्रम रखा गया है जिसमें मनरेगा से जुड़े देशभर से आये लोग चर्चा करेंगे और आगे के लिए रणनीति बनाएंगे। इस कार्यक्रम में करीब 25 राज्यों से मनरेगा के रूप में काम करने

वाले श्रमिकों के साथ ही मनरेगा के लिए काम करने वाले लोग भी शामिल होंगे और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मनरेगा श्रमिकों के साथ सीधा संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि मनरेगा को बदलकर भाजपा जिस नए एक्ट (वीबी-जी राम जी) को लाई है, उसका कांग्रेस लगातार विरोध कर रही है। कई राज्यों और जिलों में श्मनरेगा बचाओ अभियानश चलाया जा रहा है। आखिर सरकार ने श्रमिकों के अधिकारों पर हमला किया है। पंचायत के लोग इस कार्यक्रम में बताएंगे कि किस तरह से मनरेगा ने उनकी मदद की है और उनके गांवों में विकास कार्य हुआ है इन सब मुद्दों पर इसमें चर्चा की जाएगी।

अखिलेश दिन में सपना देखते हैं, सपा का जंगलराज जनता नहीं भूली: ब्रजेश पाठक

बागपत (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में समाजवादी पार्टी (सपा) की सरकार बनने के अखिलेश यादव के दावे को खारिज करते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि जब-जब प्रदेश में सपा की सरकार बनी, तब-तब गुंडाराज और अराजकता का माहौल रहा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता पाठक ने कहा कि सपा का जंगलराज प्रदेश की जनता आज भी नहीं भूली है। उन्होंने 2027 के

विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश में सपा की सरकार बनने के यादव के दावे पर कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव श्दिन में सपने देखतेश हैं और भाजपा की आलोचना करते रहते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा, जब-जब प्रदेश में सपा की सरकार बनी, तब-तब गुंडाराज और अराजकता का माहौल रहा। गरीबों की दुकानों, जमीनों और मकानों पर कब्जे किए गए। कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट थी और बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। पाठक ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सड़कों का व्यापक नेटवर्क तैयार किया गया है और सभी जिलों को समान रूप से बजट उपलब्ध कराया जा रहा है।

संभल हिंसा के मास्टरमाइंड पर कसा शिकंजा, शारिक साटा की संपत्ति कुर्क

मुरादाबाद (एजेंसी)। संभल में 24 नवंबर 2024 को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में मुख्य साजिशकर्ता दीपा सराय निवासी शारिक साटा की संपत्ति कुर्क की जा रही है। भारी संख्या में पुलिसबल तैनात है। कुर्की का आदेश कोर्ट से होने के बाद कार्रवाई की गई है। हिंसा के मास्टरमाइंड शारिक के घर पर कोर्ट के आदेश पर उसकी प्रॉपर्टी अटैच करने के लिए भारी पुलिस फोर्स और प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे हैं। तहसीलदार धीरेंद्र कुमार ने कहा कि कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, शारिक की प्रॉपर्टी अटैच की गई है। रेवेन्यू डिपार्टमेंट और पुलिस की टीमें तैनात की गई हैं, यह प्रॉपर्टी शहर के सबसे महंगे इलाकों में से एक में है। इस बिल्डिंग में चार मंजिलें हैं, लेकिन सिर्फ फरार आरोपी की मिल्कियत वाली मंजिल को ही अटैच किया गया है।कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने शारिक के घर को अटैच कर लिया है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने मेघालय, त्रिपुरा, मणिपुर के लोगों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर के लोगों को उनके राज्य स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि इन राज्यों के उद्यमी और प्रतिभाशाली लोगों ने देश की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दिया है। पूर्वोत्तर क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम के लागू होने के बाद, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर 1972 में पूर्ण राज्य बने थे। मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच एक्सश पर पोस्ट किया, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर के लोगों को उनके राज्य स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं। ये राज्य समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जीवंत परंपराओं

और असाधारण प्राकृतिक सुंदरता से संपन्न हैं। उन्होंने कहा कि इन राज्यों के उद्यमी और प्रतिभाशाली लोगों ने देश की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा, मैं उनके निवासियों के लिए शांति और समृद्धि से भरे भविष्य की कामना करती हूं मणिपुर में पिछले साल फरवरी से राष्ट्रपति शासन लगा है। मई 2023 से मणिपुर में इंफाल घाटी के मेइती समुदाय और पहाड़ियों के कुकी-जो समूहों के बीच हुई जातीय हिंसा में कम से कम 260 लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

अरावली पर एक्सपर्ट की हाई पावर्ड कमेटी बनाएंगे, अवैध खनन ना हो: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरावली पहाड़ियों की परिभाषा से जुड़े विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का अहम आदेश आया है। कोर्ट ने कहा है कि सुनिश्चित करें अरावली क्षेत्र में अवैध खनन ना हो। अवैध खनन के परिणाम ऐसे होते हैं जिनको ठीक नहीं किया जा सकता। इस तरह की गतिविधियों के दूरगामी और गंभीर परिणाम होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया- अरावली को लेकर अलग-अलग फील्ड के और डोमेन एक्सपर्ट की हाई पावर्ड कमेटी बनाएंगे। इस समिति में वैज्ञानिकों, पर्यावरण और वन क्षेत्र के विशेषज्ञों को शामिल किया जाएगा।

अरावली रेंज को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से लिए गए स्वतः संज्ञान पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि अब इसको लेकर नई याचिका दायर नहीं होनी चाहिए। कोर्ट ने एमिकस क्यूरी से रिपोर्ट देने को कहा। सुप्रीम कोर्ट चार सप्ताह बाद इस मामले में अगली सुनवाई करेगा। कोर्ट ने हाई पावर कमेटी में शामिल होने वाले सदस्यों के नाम सुझाने को भी कहा गया है।सुप्रीम कोर्ट ने 100 मीटर नियम से संबंधित अपने पूर्व फैसले पर लगी रोक को आगे बढ़ाया। यह रोक उस फैसले पर है, जिसमें अरावली क्षेत्र में खनन पर 100 मीटर की सीमा तय की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने सभी पक्षों, जिनमें एमिकस क्यूरी भी शामिल हैं, से कहा है कि वे प्रस्तावित समिति के लिए अपने सुझाव और विशेषज्ञों के नाम अदालत के समक्ष पेश करें। अदालत ने दोहराया कि अरावली जैसे संवेदनशील पर्यावरणीय क्षेत्र में किसी भी तरह की लापरवाही भविष्य की पीढ़ियों के अधिकारों पर सीधा प्रभाव डालेगी। बता दें कि सीजेआई सूर्यकांत की बेंच अरावली मामले में संज्ञान लेकर सुनवाई कर रही है। कोर्ट ने पिछली सुनवाई में जमीन से 100 मीटर या अधिक ऊंचाई वाली पहाड़ियों को अरावली मानने के नियम पर रोक लगाई थी। लगातार चले रहे प्रदर्शन और विवाद के बीच कोर्ट ने यह फैसला दिया था।

माघ मेला प्रयागराज में श्रीमद्भागवत कथा का दिव्य शुभारंभ

कृष्णार्पित ट्रस्ट के पंडाल में गूंजा वेद गीता भागवत का अमृतमय संदेश

प्रयागराज, माघ मेला। माघ मेला क्षेत्र के हर्षवर्धन मार्ग स्थित कृष्णार्पित ट्रस्ट के भव्य पंडाल में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का प्रथम दिवस अत्यंत श्रद्धा, भक्ति, वैदिक ऋचाओं एवं शंखनाद के साथ संपन्न हुआ। वातावरण मंत्रोच्चार, धूप-दीप और हरिनाम संकीर्तन से पूर्णतः आध्यात्मिक हो उठा।

कथा वाचन इं. देवेंद्र नाथ शुक्ला कृष्णार्पित द्वारा किया गया। कथा का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ–

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने।
प्रणतः क्लेशनाशाय गोविन्दाय नमो नमः॥

कथावाचक श्री शुक्ल जी ने कहा कि भगवान वासुदेव ही जीव के समस्त क्लेशों का नाश कर उसे धर्म, ज्ञान और भक्ति के पथ पर अग्रसर करते हैं–

वासुदेवः सर्वमिति
स महात्मा सुदुर्लभः॥
(गीता 7.19)

गंगा गाय गीता गायत्री : सनातन संस्कृति के चार आधार स्तंभ

कथा में भारतीय सनातन परंपरा के चार मूल स्तंभ–गंगा, गाय, गायत्री और गीता–का भावपूर्ण विवेचन किया गया।

गंगा : लोक परलोक को तारने वाली दिव्य धारा

गंगा की महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया–

गंगे त्रैलोक्यसारे त्वं
पापनाशिनि पुण्यदे।
नमस्तेऽस्तु महाभागे
त्राहि मां शरणागतम्॥

रामचरितमानस के माध्यम से बताया गया–

गंग सकल मुद मंगल मूला।
सब सुख करनि हरनि सब सूला॥

गंगा केवल नदी नहीं, अपितु मोक्ष की धारा हैं, जो जीव को भवसागर से पार ले जाती हैं।

गाय : जीवन विज्ञान और सात्त्विक समृद्धि का आधार

गाय को समस्त देवताओं का महामंत्र

वास स्थान बताते हुए कहा गया–

गावः सर्वसुखप्रदाः।

पंचगव्य–दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर–को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शुद्धि का साधन बताया गया।

राजर्षि दिलीप की गो-सेवा का उदाहरण देते हुए कहा गया–

सेवया सिद्धिमाप्नोति

अर्थात सेवा से ही सिद्धि प्राप्त होती है।

गायत्री मंत्र : बुद्धि-शुद्धि का

कथा में गायत्री मंत्र का भावार्थ अत्यंत गूढ़ रूप से प्रस्तुत किया गया–

ॐ भूर्भुवः स्वः
तत्सवितुर्वरेण्यं
भर्गो देवस्य धीमहि
धियो यो नः प्रचोदयात्॥

अर्थ–

हम उस परम तेजस्वी, पापनाशक, सृष्टिकर्ता ईश्वर का ध्यान करते हैं,

जो हमारी बुद्धि को धर्म, विवेक और सत्य की ओर प्रेरित करे।

गीता के श्लोक से इसे प्रमाणित किया गया–

गायत्री छन्दसामहम्।
(गीता 10.35)

गीता : उपनिषदों का अमृत

गीता की महिमा बताते हुए प्रसिद्ध श्लोक उद्धृत किया गया–

सर्वोपनिषदो गावो
दोग्धा गोपालनन्दनः।
पार्थो वत्सः सुधीर्भोक्ता
दुग्धं गीतामृतं महत्॥

अर्थ–

उपनिषदें गाय हैं,
श्रीकृष्ण दुग्धदाता हैं,
अर्जुन बछड़ा है
और गीता अमृतरूप दुग्ध है।

गीता अध्याय प्रथम : विषाद से विवेक की यात्रा

प्रथम अध्याय को मोहजनित विषाद योग बताते हुए कहा गया–

धृतराष्ट्र–अज्ञान और आसक्ति का प्रतीक

संजय–दिव्य दृष्टि और विवेक का स्वरूप

कुरुक्षेत्र–दैवी और आसुरी प्रवृत्तियों का संघर्ष क्षेत्र

अर्जुन का विषाद करुणा, कर्तव्य, धर्म और अधर्म के द्वंद्व का प्रतीक है–

न काङ्क्षे विजयं कृष्ण
न च राज्यं सुखानि च।
(गीता 1.32)

यही विषाद आगे चलकर ज्ञान का द्वार बनता है।

श्रीमद् भागवत कथा : संस्कार और चेतना का महाअभियान

कथावाचक ने कहा कि स्त्री-मत भागवत कथा

नारी चेतना, परिवार संस्कार और सामाजिक संतुलन का सशक्त माध्यम है–

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते
रमन्ते तत्र देवताः।

कथा के दौरान श्रद्धालु निरंतर हर-हर गंगे, जय श्रीकृष्ण, राम-राम के जयघोष करते रहे।

पूरा पंडाल भक्ति, भाव और वैराग्य से आप्लावित हो उठा। यह कथा केवल श्रवण नहीं, बल्कि जीवन को धर्म, भक्ति और ज्ञान की दिशा देने वाली दिव्य साधना है।

संक्षिप्त खबरें

संदिग्ध हालात में कमरे में पंखे से लटका मिला छात्रा का शव

बनकटी। लालगंज थाना क्षेत्र के भरवलिया गांव में मंगलवार की शाम को संदिग्ध हालात में कमरे में पंखे से दुपट्टे के सहारे 15 वर्षीय छात्रा का शव लटका मिला। लालगंज पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। छात्रा की मां ने आरोप लगाया कि बेटी की हत्या कर कमरे से भागते हुए युवक को देखा गया है। भरवलिया गांव निवासी निवासी नरोत्तम की पत्नी राजपति ने बताया कि वह 15 वर्षीय बेटी अंजली के साथ गांव से बाहर सड़क के किनारे स्थित मकान में रहती है। पति नरोत्तम व बेटा संदीप मुंबई में रहकर मेहनत-मजदूरी करते हैं। बेटी बनकटी के एक स्कूल में कक्षा 6 की छात्रा थी। उसने बताया कि मंगलवार की शाम करीब पांच बजे बनकटी बाजार से आने पर कमरा खुला हुआ था। बेटी का शव कमरे में दुपट्टे के सहारे पंखे से लटक रहा था। प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

चहारदीवारी न होने से अस्पतालों में घुस रहे कुत्ते

बस्ती। महर्षि वशिष्ठ मेडिकल कॉलेज बस्ती की चिकित्सा इकाई ओपेक चिकित्सालय कैली से लेकर अधिकांश सीएचसी और पीएचसी में कुत्तों की आवाजाही रोकने की व्यवस्था नहीं है। सीएमओ को भेजी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि या तो चहारदीवारी बनी ही नहीं है या पुरानी व जर्जर होने से टूट चुकी है। इक्का-दुक्का अस्पताल ही ऐसे हैं, जहां कुत्तों और छुट्टा पशुओं की आवाजाही को रोका जा सकता है। सीएमओ डॉ. राजीव निगम का कहना है कि बजट आने के बाद अस्पतालों की चहारदीवारी कराई जाएगी। टूटी चहारदीवारी की मरम्मत कराई जाएगी। अस्पतालों में छुट्टा पशुओं के प्रवेश पर रोक लगाने की व्यवस्था कराई जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में सार्वजनिक स्थानों पर छुट्टा पशुओं की आवाजाही पर रोक लगाने के संबंध में दिए गए आदेश के क्रम में सीएमओ कार्यालय से सभी सरकारी व निजी अस्पतालों से वहां की सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित रिपोर्ट मांगी गई थी। हर अस्पताल में नोडल तैनाती के साथ ही वहां पर रैबीज की वैक्सीन की व्यवस्था कराई गई है। तीन अस्पतालों की ओर से सूचना दी गई है कि उनके यहां चहारदीवारी है ही नहीं, जबकि पांच ने रिपोर्ट की है कि उनके यहां की चहारदीवारी टूटी हुई है। दो अस्पतालों ने तो लिखा है कि उनके यहां की चहारदीवारी पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। नगरीय क्षेत्र में चलने वाले अस्पताल निजी भवन में संचालित हैं। पुरानी बस्ती क्षेत्र की शहरी पीएचसी नरहरिया और बरदहिया में चहारदीवारी नहीं है।

निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत विद्यार्थियों का निशुल्क होगा प्रवेश

बस्ती। नए शैक्षिक सत्र में निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत बच्चों का कक्षा एक में निशुल्क प्रवेश करना अनिवार्य होगा। निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा अधिकार अधिनियम- 2009 के अनुसार महानिदेशक स्कूल शिक्षा के स्तर से नामांकन के लिए समयसारिणी जारी कर दी गई है। प्रथम चरण में दुर्बल वर्ग के बच्चों को निजी विद्यालयों में दाखिला कराने के लिए 2 से 16 फरवरी तक आवेदन करना होगा। प्रत्येक आवेदन का सत्यापन बीएसए द्वारा किया जाएगा। इसके बाद लॉटरी पद्धति से इन बच्चों को स्कूल आवंटित होंगे। मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में बेसिक शिक्षा विभाग इन बच्चों को निशुल्क प्रवेश दिलाएगा। तीन चरणों में बच्चों का नामांकन कराया जाएगा। प्रथम चरण में लॉटरी की तिथि 18 फरवरी निर्धारित की गई है। इसके बाद 20 फरवरी को बीएसए स्तर से चयनित बच्चों के नामांकन के लिए संबंधित विद्यालयों को निर्देश जारी किया जाएगा। द्वितीय चरण में 21 फरवरी से सात मार्च तक जरूरतमंद अभिभावक आवेदन करेंगे। इन बच्चों का चयन 9 मार्च को लॉटरी पद्धति से की जाएगी।

रेलवे ट्रैक पर मिला बुजुर्ग का शव

मुंडेरवा। ओरवाडा रेलवे ट्रैक पर मंगलवार को एक बुजुर्ग का मिला शव। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि शाम पांच बजे सूचना मिली कि ओरवाडा रेलवे स्टेशन से बस्ती की तरफ रेलवे ट्रैक डाउन लाइन पर शव पड़ा है। उन्होंने बताया कि मृतक की उम्र करीब 60 वर्ष है। शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

क्रॉस कंट्री दौड़ 26 जनवरी को

बस्ती। उत्तर प्रदेश दिवस एवं गणतंत्र दिवस के अवसर पर खेल विभाग पांच किमी. बालक/बालिका वर्ग क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन करेगा। शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम बस्ती के शास्त्री चौक से 26 जनवरी को सुबह सात बजे दौड़ शुरू होकर कंपनीबाग चौराहा, फौव्वारा चौराहा, रौता चौराहा से शास्त्री चौक होते हुए बीडीए के सामने से स्टेडियम पर समाप्त होगी। इसमें जनपद के बालक/बालिका धावक प्रतिभाग करेंगे। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया कि उसी दिन सुबह छह बजे से धावकों का पंजीकरण किया जाएगा। इसमें कोई भी धावक क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता में भाग ले सकता है।

102, 108 व एएलएस सेवा की जांची जाएगी हकीकत

बस्ती। सरकार ने मरीजों को अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस सेवा शुरू की। मगर, कुछ जगह फर्जी केस दिखाकर एंबुलेंस का संचालन हो रहा है। इसको लेकर अब स्वास्थ्य विभाग एंबुलेंस सेवा का सत्यापन करेगा। विभाग एंबुलेंस से कितने मरीजों को अस्पताल पहुंचाया और वापस घर छोड़ा इन केसों की क्रॉस जांचकर रिपोर्ट तैयार करेगा। जिले में 108 ईएमटीएस, 102 राष्ट्रीय एंबुलेंस सेवा, एएलएस एंबुलेंस सेवा संचालित हैं। 108 एंबुलेंस सेवा सामान्य मेडिकल इमरजेंसी, दुर्घटनाओं या गंभीर बीमारियों के लिए है जबकि, 102 राष्ट्रीय एंबुलेंस सेवा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थितियों के लिए चालू है। वहीं, एएलएस एंबुलेंस सेवा का प्रयोग गंभीर रूप से बीमार या घायल मरीजों के लिए होता है। कुछ जिलों में इनमें से 108 और एएलएस एंबुलेंस सेवा के तहत फर्जी ट्रिप किए जा रहे हैं।

तमंचे के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

बस्ती। मुंडेरवा पुलिस ने थाना क्षेत्र के जगदीशपुर नटबाग के रहने वाले हिस्ट्रीशीटर शमशाद को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। उसके पास से बाइक, तमंचा और कारतूस मिले हैं। थानेदार प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान बसती-कांटे मार्ग पर अहरा बुधा नाला के पास हिस्ट्रीशीटर को पकड़ा गया। उस पर आर्म्स एक्ट में प्राथमिकी दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। थानेदार ने बताया कि पूछताछ में हिस्ट्रीशीटर ने उसने आपने साथियों के साथ चीनी मिल में कई बार लोहे की चोरी कर चुका है। पुलिस अब उसके साथियों की तलाश कर रही है।

हादसे में घायल बुजुर्ग की मौत

वाल्टरगंज। थाना क्षेत्र के देईपार भीरिया मार्ग परपचानू गांव के पास सोमवार की दोपहर में तेज गति से आ रही अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे बुजुर्ग टक्कर मार दी थी। हादसे थाना क्षेत्र के पिपरहिया निवासी संतराम (70) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मेडिकल कॉलेज कैली में मंगलवार को इलाज के दौरान संतराम की मौत हो गई।

19.613 मेगावॉट पावर क्षमता का सोलर पैनल लगाने को स्वीकृति प्रदान की गई हैं

गोरखपुर, : पूर्वोत्तर रेलवे पर पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुये ऊर्जा के गैर पारम्परिक स्रोत सौर ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ाने के लिये व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं। रेलवे के कार्यालय भवनों, विश्रामगृह, स्टेशनों, समपारों आदि पर सोलर पैनल लगाये जा रहे हैं तथा विद्युत बचत हेतु स्टार रेटेड विद्युत उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे पर रूफ टॉप सोलर पैनल की कुल क्षमता दिसम्बर,2025 तक 8.22 मेगावॉट पावर हो गयी है। अप्रैल से दिसम्बर,2025 तक सोलर पैनल से कुल 47.31 लाख यूनिट सौर ऊर्जा का उत्पादन हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप 1.71 करोड़ रुपए रेल राजस्व की बचत हुई।

पूर्वोत्तर रेलवे पर सोलर एनर्जी के बढ़ते उपयोग का राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर सराहना मिल रही है। पूर्व में ऊर्जा संरक्षण में सराहनीय योगदान के लिये ऊर्जा संरक्षण दिवस पर क्षेत्रीय रेलों में पूर्वोत्तर रेलवे को सर्वोच्च स्थान प्राप्त हो चुका है। ऊर्जा संरक्षण हेतु स्टार रेटेड पम्प, वाटर हीटर, एयर कण्डीशनर, फ्रीज एवं अन्य विद्युत उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त सोलर प्लान्ट, सोलर पम्प, सोलर गीजर, सोलर स्ट्रीट लाइट का प्रयोग किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप पूर्वोत्तर रेलवे पर नान टैज्क्शन विद्युत ऊर्जा की खपत में काफी कमी आई है।

ऊर्जा संरक्षण की दिशा में पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा अनेक कार्य किये गये हैं। इस रेलवे पर 22.17 मेगावॉट पावर क्षमता का रूफ टॉप सोलर पैनल विभिन्न स्टेशनों, सर्विस बिल्डिंग, रेलवे क्वार्टरों एवं समपारों पर लगाये जाने का कार्य स्वीकृत है, जिससे 2024-25 एवं 2025-26 में दिसम्बर,2025 तक पूर्वोत्तर रेलवे पर 2.557 मेगावॉट पावर क्षमता के रूफ टॉप सोलर पैनल कमीशन किये जा चुके हैं तथा 19.613 मेगावॉट पावर क्षमता का सोलर पैनल लगाने को स्वीकृति प्रदान की गई हैं।

2026 तक चलने वाली 15027 सम्बलपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस सम्बलपुर से 02 घंटे रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल के ओड़गा एवं हटिया स्टेशनों के मध्य दोहरीकरण कार्य के परिप्रेक्ष्य में कानारोवां स्टेशन पर प्री-नान इंटरलॉक एवं इंटरलॉक कार्य हेतु यातायात ब्लॉक लिए जाने के कारण 15027 सम्बलपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस सम्बलपुर से रि-शिड्यूल कर निम्नवत चलाई जायेगी।

-सम्बलपुर से 01 से 04 फरवरी, 2026 तक चलने वाली 15027 सम्बलपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस सम्बलपुर से 02 घंटे रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 18181/18182 टाटानगर-थावे-टाटानगर एक्सप्रेस का संचलन कन्वेंशनल आई.सी.एफ. रेकों के स्थान पर एल.एच.बी. रेकों से किया जायेगा। एल.एच.बी. कोच यात्रियों को आई.सी.एफ. कोचों की तुलना में सुरक्षित, आरामदायक एवं आधुनिक यात्रा का अनुभव देते हैं, क्योंकि इनमें स्टेनलेस स्टील बॉडी, एंटी-टेलीस्कोपिक डिजाइन, डिस्क ब्रेक, हाइड्रोलिक सस्पेंशन, बायो-ट्वायलेट एवं चार्जिंग प्वाइंट जैसी सुविधायें होती हैं, साथ ही इसके रखरखाव की लागत भी कम होती है। एल.एच.बी. रेक से चलाये जाने के फलस्वरूप संशोधित रेक संरचना के अनुसार टाटानगर से 27 मार्च, 2026 को चलने वाली 18181 टाटानगर-थावे एक्सप्रेस तथा थावे से 29 मार्च, 2026 को चलने वाली 18182 थावे-टाटानगर एक्सप्रेस में जनरेटर सह लगेज यान का 01, एल.एस.एल.आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 07, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 05, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 02 तथा वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

आठ सूत्रीय मांग को लेकर अभियंताओं ने दिया धरना

बस्ती। इलेक्ट्रिकल एंड मैकेनिकल डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ सिंचाई विभाग ने प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर अभियंताओं ने आठ सूत्रीय मांग के लिए नलकूप खंड परिसर में मंगलवार से दो दिवसीय धरना शुरू किया। पहले दिन धरने के बाद अधिशासी अभियंता विपिन कुमार वर्मा को ज्ञापन सौंपा। धरने को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि लंबित सेवा संबंधी समस्याओं के निस्तारण में विभाग की कोई रुचि नहीं है। इसके फलस्वरूप जूनियर इंजीनियर के स्थायीकरण, वरिष्ठता सूची का प्रकाशन नहीं किया गया। द्वितीय एसीपी का लाभ, सेवानिवृत्त सदस्यों के देयकों का भुगतान, जूनियर इंजीनियर्स के मध्य कार्यों का समान वितरण, निष्प्रयोज्य टी एंड पी के निस्तारण, अधिशासी अभियंताओं की ओर से जूनियर इंजीनियर पर नियम विरूद्ध कार्य कराने का दबाव बनाया जा रहा है।

संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये प्रमुख वाणिज्य प्रबन्धक पी.सी. जायसवाल

गोरखपुर, : प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक श्री प्रकाश चन्द्र जायसवाल की अध्यक्षता में 21 जनवरी, 2026 को रेलवे अधिकारी क्लब, गोरखपुर में

राजभाषा विभाग के तत्त्वावधान में स्वास्थ्य एवं साहित्यिक संगोष्ठी तथा राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य संगोष्ठी में मंडल चिकित्साधिकारी, ललित नारायण मिश्र रेलवे चिकित्सालय डा0 दिलीप कुमार अग्रहरि ने जीवन शैली जनित रोगों से बचाव, रोकथाम व उपचार पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित क्षेत्रीय रेलवे हिन्दी निबंध, वाक, टिप्पणी, क्विज तथा प्रारूप लेखन प्रतियोगिता 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। हिन्दी क्विज प्रतियोगिता में 12 अधिकारियों एवं 08 कर्मचारियों, हिन्दी निबंध प्रतियोगिता में 06 कर्मचारियों, हिन्दी वाक प्रतियोगिता में 06 कर्मचारियों तथा हिन्दी टिप्पणी एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता 2025 में 06 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम, षष्टम एवं प्रेरणा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य चिकित्सा निदेशक डा0 मोहम्मद ए.ए.खान उपस्थित थे। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक श्री प्रकाश चन्द्र जायसवाल ने वर्ष 2025 में आयोजित क्षेत्रीय रेलवे हिन्दी निबंध, वाक तथा टिप्पण व प्रारूप लेखन प्रतियोगिता एवं राजभाषा सप्ताह समारोह के दौरान आयोजित क्विज प्रतियोगिता में भाग लिये और सफल हुए पुरस्कार विजेता रेल कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे राजभाषा विभाग द्वारा स्वास्थ्य सम्बन्धी विषयों पर संगोष्ठी एवं साहित्यिक संगोष्ठी आयोजित की गयी। आज के समय में ये विषय अत्यंत ही प्रासंगिक हैं। आज आधुनिक और सम्पन्न होने की लालसा में कई प्रकार के मानसिक दबाव और तनाव की स्थिति उत्पन्न हो रही है। लोगों में अनेक बीमारियां बढ़ रही है। इन बीमारियों में मधुमेह रोग व हृदय रोग सबसे घातक बीमारी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि आज की संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ता के रूप में डा0 दिलीप कुमार अग्रहरि, मण्डल चिकित्साधिकारी ने गंभीर बीमारियों पर बहुत ही ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी जानकारी दी। मंडल चिकित्साधिकारी डा0 दिलीप कुमार अग्रहरि ने मधुमेह, रक्तचाप, फैटी लीवर जैसी जीवन शैली से जुड़ी बीमारियों के लक्षण, बचाव, रोकथाम एवं उपचार पर चिकित्सा सम्बन्धी ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। वरिष्ठ अनुवादक एवं राजभाषा प्रभारी श्रीमती अनामिका सिंह ने साहित्यिक संगोष्ठी में साहित्यकार डा0 जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला तथा संगोष्ठी का संचालन किया। वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी श्री गोपाल प्रसाद गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

जिम में आने वाली लड़कियों से दोस्ती कर धर्म परिवर्तन मामले में चार आरोपी गए जेल

मिजार्पुर। मिजार्पुर जिले में जिम में आने वाली लड़कियों को दोस्ती के जाल में फंसाकर धर्म परिवर्तन कराने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मिजार्पुर जिले में जिम में आने वाली लड़कियों से दोस्ती करके उनके साथ ब्लैकमेलिंग करने और धर्म परिवर्तन कराने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। क्या है मामला देहात कोतवाली पुलिस ने केजीएन, आयरन फायर व बी फिट जिम संचालक व ट्रेनर के खिलाफ शिकायत के बाद मामले की जांच शुरू की। जिसमें चार नामजद समेत समय सात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोप था कि जिम में आने वाली महिलाओं से दोस्ती कर उनको प्रेम जाल में फंसाते थे। वीडियो बनाकर पैसा वसूलते थे। एसपी सिटी नितेश सिंह ने बताया कि मामले में चार आरोपी मोहम्मद शेख अली, फैसल खान, जहीर व सादाब को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में कोर्ट में पेश हुए विधायक अब्बास अंसारी

मऊ। विधायक अब्बास अंसारी की पेशी बुधवार को हुई। यह पेशी चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़े एक मामले में हुई। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। मऊ जिले की सदर विधानसभा सीट से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के विधायक अब्बास अंसारी बुधवार को मऊ न्यायालय में पेश हुए। यह पेशी चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़े एक मामले में हुई। विधायक की पेशी को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रही। न्यायालय परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। न्यायालय के मुख्य द्वार पर प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सघन जांच के बाद ही अंदर जाने की अनुमति दी गई। दक्षिण टोला थाना क्षेत्र से संबंधित है। तत्कालीन थाना निरीक्षक पंकज कुमार सिंह की शिकायत पर 12 फरवरी 2022 को विधायक अब्बास अंसारी के खिलाफ चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसमें बुधवार को विधायक अब्बास अंसारी की पेशी हुई।

प्लास्टिक फैक्टरी में लगी भीषण आग चप्पे-चप्पे पर फैला धुआं नौ फायर यूनिटों ने पाया काबू

कानपुर। दादा नगर में विनायक ट्रेडर्स की प्लास्टिक फैक्टरी में भीषण आग से लाखों का नुकसान हुआ। दमकल की नौ गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। कानपुर के गोविंदनगर थाना क्षेत्र में दादा नगर स्थित 156-बी विनायक ट्रेडर्स में संचालित प्लास्टिक फैक्टरी में बुधवार तड़के भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना सुबह लगभग साढ़े पांच बजे मिनी कंट्रोल रूम, फजलगंज को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी, कानपुर नगर के निर्देश पर फायर स्टेशन फजलगंज से अग्निशमन दल तत्काल मौके पर पहुंचा। घटनास्थल पर फैक्टरी में प्लास्टिक के दाने और प्लास्टिक से बने सामान व खिलौने रखे होने के कारण आग तेजी से फैल चुकी थी। आसपास औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण स्थिति को गंभीर देखते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचे और अतिरिक्त फायर टेंडरों को बुलाया गया। मिनी कंट्रोल रूम के माध्यम से फायर स्टेशन पनकी, मीरपुर कैंट, लाटूश रोड, कर्नलगंज, किदवई नगर एवं जाजमऊ से फायर टेंडर मौके पर भेजे गए। नौ फायर यूनिटों ने पाया काबू अग्निशमन अधिकारियों के नेतृत्व में फैक्टरी को चारों ओर से घेरकर होज पाइप लाइन बिछाई गई और आग को उसी परिसर तक सीमित कर दिया गया। अत्यधिक तापमान और घने धुएं के बीच अग्निशमन व आपात सेवा, कानपुर नगर की कुल नौ यूनिटों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूर्ण रूप से काबू पा लिया। इस त्वरित कार्रवाई से आसपास की अन्य फैक्ट्रियों को सुरक्षित बचा लिया गया।

प्रॉपर्टी के लिए जहर देकर पति को मार डाला, 15 महीने पहले हुई थी शादी

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में मंगलवार रात को संदिग्ध परिस्थितियों में एक इलेक्ट्रिशियन की मौत हो गई। मौत की सूचना करीब 2 घंटे के बाद उसकी पत्नी को मिली। पत्नी ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस का कहना है परिवार की तरफ से अभी तक कोई लिखित तहरीर नहीं आई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। ठाकुरगंज मुसाहिब पार्क निवासी शानू खान की करीब 15 महीने पहले बलरामपुर जिला की रहने वाली शानिया से निकाह हुआ था। शानिया ने बताया कि पिछले सप्ताह मंगलवार को पति शानू उन्हें मायके छोड़कर आए थे। 15 जनवरी को वह वापस आ गए थे। मंगलवार शाम करीब 5.30 बजे फोन पर बातचीत हुई थी। उन्होंने दुबग्गा के आगे एक प्लॉट खरीदा था। उसका वीडियो बनाकर भेजा था। बात करते हुए उन्होंने कहा था कि शाम को जमीन के कागज भी भेज देंगे। शानिया ने बताया कि शाम को बात होने के बाद जब रात में पति को फोन मिलाया तो नहीं उठा। लगातार 20 बार फोन मिलाने के बाद शानू की छोटी बहन ने फोन उठाया और उल्टा सीधा बोलने लगी। उसके बाद फोन काट दिया। इसके बाद फोन बंद कर दिया।

नितिन नवीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर भाजपा ने बांटी मिठाई

ग्वालियर। भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन नवीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर भाजपा कार्यालय मुखर्जी भवन में मंगलवार को मिष्ठान वितरण और आतिशबाजी की गई। इस मौके पर ढोल की थाप पर नाचते कार्यकर्ताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। मंत्रीगण नारायण सिंह कुशवाह, प्रद्युम्न सिंह तोमर, अभय चौधरी, कमल माखीजानी, पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, रामेश्वर भदौरिया, जवाहर प्रजापति, दीपक शर्मा, राकेश माहौर, विनय जैन, राजू पलैया, डॉ. नितेश शर्मा, शकुंतला परिहार, प्रमोद खंडेलवाल, विनय शर्मा, अनूप उदैनिया, सुरेंद्र शर्मा, भगवान सिंह कुशवाह डॉ. राकेश रायादा संतोष गोडयाले, मुलायम सिंह, गौरव वाजपेयी, गिर्राज व्यास सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भूमाफिया ने किसान को किया बेदखल, आत्महत्या की चेतावनी

■संबल योजना में विधवा को दो साल से न्याय नहीं

■ ग्वालियर

शहर के हारकोटा सीर इलाके में भूमाफियाओं के हौसले बुलंद हो चुके हैं। पुश्तैनी जमीन से बेदखल किसान लक्ष्मन सिंह कुशवाह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में आवेदन देकर गुहार लगाई उनकी साढ़े पांच बीघा कृषि भूमि से अवैध कब्जा हटवाया जाए।

लक्ष्मन सिंह के अनुसार, मुकेश नामक व्यक्ति और उसके साथी बेलदार का सर्वे नंबर बताकर अवैध प्लॉटिंग कर रहे हैं, जबकि वास्तविक कब्जा उनकी हारकोटा सीर स्थित जमीन पर दिलवाया जा रहा है। कब्जे के कारण वह खेती नहीं कर पा रहे और परिवार का पेट पालने के लिए मजदूरी करने को मजबूर हैं।

पीड़ित किसान ने बताया कि पुलिस और प्रशासन को कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। हताश होकर उन्होंने जनसुनवाई में स्पष्ट कहा कि यदि अब भी न्याय नहीं मिला तो आत्महत्या ही अंतिम रास्ता होगा।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद ने लश्कर एसडीएम को मौके पर जाकर जांच करने और तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। जनसुनवाई में थाटीपुर क्षेत्र की मधुवन कॉलोनी निवासी सुनीता सविता ने बताया कि उनके पति बंशीलाल, जो पेशे से मजदूर थे, की दो साल पहले मृत्यु हो चुकी है। संबल योजना का कार्ड होने के बावजूद उन्हें आज तक अंत्येष्टि सहायता और दो लाख रुपए की आर्थिक मदद नहीं मिली।

मुरार श्मशान के सामने शासकीय भूमि पर काटी जा रही अवैध कॉलोनी

नगर निगम की जनसुनवाई में वार्ड 22 मेला रोड दुल्हपुर निवासी वीरेश कुमार ने अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर व मुनीष सिंह सिकरवार को बताया कि मुरार श्मशान के सामने शासकीय भूमि पर अवैध कॉलोनी काटी जा रही है। पहले निगम ने कार्रवाई की थी, लेकिन जमीनी अधिकारियों की मिलीभगत के चलते अवैध कॉलोनाइजरों के हौसले बुलंद होने पर जमीन की खरीद-फरोख्त जारी है। जिस पर कार्रवाई की जाए।

सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में वार्ड 03 शब्द प्रताप आश्रम विनय नगर निवासी जितेन्द्र राजपूत ने आवेदन देकर बताया कि कुछ व्यक्तियों द्वारा सार्वजनिक नाले को बंद किया जा रहा है, जिस कारण बरसात के समय जल भराव की समस्या उत्पन्न होगी। वहीं वार्ड 58 विजय नगर चेतकपुरी निवासी महेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि मुख्य सड़क की सीवर लाइन चौक होने से सीवर ओवरफ्लो होने, वार्ड 60 हिल व्यू रेसीडेंसी विवेकानंद नीडम रेलवे ओवरब्रिज के पास ओहदपुर के लोगों ने बताया कि काफी समय से सीवर लाइन की सफाई नहीं होने से सीवर ओवरफ्लो होकर गंदगी सड़क पर बह रही है। जिस पर अपर आयुक्त ने समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस मौके पर उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रतिभा के सम्मान से समाज को मिलती है प्रेरणा

ग्वालियर। तुलसी मानस प्रतिष्ठान मानस भवन में आयोजित मकर संक्रांति समारोह में भारत सरकार के पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में सदस्य नियुक्त होने पर डॉ. केशव पाण्डेय का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि किसी भी प्रतिभावान व्यक्ति का सम्मान उसके ज्ञान, सेवा, समर्पित भावना और उसके द्वारा किए गए समाजसेवी कार्यों के लिए होता है। जब ऐसे व्यक्तित्व का सम्मान होता है तो वह समाज के अन्य लोगों को भी समाज सेवा के लिए प्रेरित करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व संभागीय आयुक्त बीएम शर्मा ने की। इस अवसर पर पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर, पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल, भाजपा जिला अध्यक्ष जय प्रकाश राजौरिया, केडी सोनकिया, एमडी पाराशर, महेश मुदगल, उपेन्द्र शिरगांवकर आदि उपस्थित रहे।

सृजन पर्व : गणतंत्र और संस्कृति पर आधारित कथक नृत्य यात्रा बनी आकर्षण का केंद्र

■ ग्वालियर

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित मासिक सांस्कृतिक उत्सव सृजन पर्व का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस माह के आयोजन की विषयवस्तु गणतंत्र और संस्कृति रही, जिसने भारतीय लोकतांत्रिक चेतना और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने की। मुख्य अतिथि के रूप में संस्कार भारती के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य एवं संभाग प्रमुख शेखर दीक्षित, विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलसचिव अरुण सिंह चौहान मौजूद थे। मुख्य अतिथि श्री दीक्षित ने कहा कि भारतीय संस्कृति और संविधान एक-दूसरे के पूरक हैं तथा कला के माध्यम से इन मूल्यों को जनमानस तक पहुंचाना समय की महती आवश्यकता है। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने सृजन पर्व को विद्यार्थियों के रचनात्मक विकास का सशक्त मंच बताते हुए ऐसे आयोजनों की निरंतरता पर बल दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कथक नृत्य विभाग की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत विषय-आधारित कथक नृत्य-यात्रा गणतंत्र और संस्कृति रही। कथक विभागाध्यक्ष डॉ. अंजना झा के निर्देशन में तैयार की गई इस नृत्य-श्रृंखला में गणेश वंदना से भारत - वंदे मातरम् तक भारतीय संस्कृति की मंगल परंपराएं, एकता, समरसता, लोकतांत्रिक मूल्य, राष्ट्र प्रेम एवं राष्ट्रीय अस्मिता को भाव, लय, ताल और अभिनय के माध्यम से अत्यंत प्रभावशाली ढंग से अभिव्यक्त किया गया। प्रस्तुति का समापन वंदे मातरम् पर आधारित समूह कथक नृत्य के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इस कथक प्रस्तुति में कामाक्षी शर्मा, साक्षी अरोड़ा, प्रथा उपाध्याय, अनन्या सिंह एवं संजना भारद्वाज ने अनुशासन, सौंदर्यबोध और कलात्मक परिपक्वता के साथ उत्कृष्ट नृत्य-प्रदर्शन किया।

पेट्रोल डालकर जूते-चप्पल के 6 ठेलों को फूंका, तीन लाख का माल स्वाहा

■ ग्वालियर

हजीरा स्थित इंटक मंडी में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात असामाजिक तत्वों की साजिश ने छोटे व्यापारियों की रोजी-रोटी को राख में बदल दिया। बीती रात एक साथ 6 जूते-चप्पल के ठेलों में आग लगा दी गई, जिससे करीब 3 लाख रुपए का माल चंद मिनटों में जलकर खाक हो गया। पीड़ितों का आरोप है कि पेट्रोल डालकर जानबूझकर आग लगाई गई, ताकि भारी नुकसान पहुंचाया जा सके।

रात्रि करीब 02 बजे नगर निगम के दमकल अमले को इंटक मंडी में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। मौके पर देखा गया कि गोसपुरा नंबर-1 निवासी रिंकू चौहान और उनके भतीजे के ठेलों में भीषण आग लगी हुई थी। आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया और ठेलों पर रखा जूते-चप्पलों का लाखों रुपए का माल पूरी तरह जल गया।

दमकल ने एक वाहन से लगातार पानी डालकर करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यदि समय रहते दमकल वाहन नहीं पहुंचता, तो आग आसपास के अन्य ठेलों और दुकानों तक फैल सकती थी और बड़ा हादसा हो सकता था। पीड़ित ठेला संचालक रिंकू चौहान ने बताया कि यह आग कोई हादसा नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश है। उन्होंने कहा कि उनकी वर्षों की मेहनत और परिवार की आजीविका एक ही रात में खत्म हो गई। पीड़ितों ने प्रशासन से दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और आर्थिक सहायता की मांग की है।

ऊर्जा मंत्री ने दिए तत्काल मदद के निर्देश

घटना की जानकारी मिलते ही जनभागीदारी समिति अध्यक्ष रामअवतार सिंह बैस तड़के ही साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने तुरंत ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए ऊर्जा मंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन करने और पीड़ित परिवारों को शासन स्तर से हर संभव आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

जरूरतमंद बेटियों को दिया राशन का सामान

ग्वालियर। मानवता की सेवा को ध्यान में रखते हुए मानव वेलफेयर सोसाइटी द्वारा मंगलवार को कैला देवी बालिका गृह में निवासरत जरूरतमंद छोटी बच्चियों को राशन सहित दैनिक उपयोग में होने वाली वस्तुएं उपलब्ध कराई गईं। इस सेवा कार्य में मुख्य रूप से संस्था के अध्यक्ष कुमार नागदेव, महासचिव संजय सप्रा, नीरज डाबर, संजय राजपाल, महेश अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

हिंदू सम्मेलन के लिए किया भूमि पूजन

ग्वालियर। भूतेश्वर बस्ती का 25 जनवरी को दोपहर 12 बजे होने वाले हिंदू सम्मेलन के लिए भूमि पूजन शब्द प्रताप आश्रम स्थित जीडी पैलैस में किया गया। सम्मेलन को सफल बनाने के लिए आयोजन समिति के सदस्य प्रतिदिन घर-घर संपर्क कर रहे हैं।

आमजन को मिलेगा निःशुल्क स्वास्थ्य व विधिक लाभ

ग्वालियर। मानव अधिकार प्रोटेक्शन द्वारा जनवरी और फरवरी माह में सामाजिक और जनहित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी पत्रकारों से चर्चा करते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राजेन्द्र झा, संरक्षक ज्योतिषाचार्य हुकुमचंद जैन एवं जिलाध्यक्ष रेखा गंभीर ने दी। उन्होंने बताया कि 24 जनवरी को जीवायएमसी में दोपहर 12 से 3 बजे तक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर, एक फरवरी को दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक कॉस्मो टॉवर हनुमान चौराहा में नि:शुल्क ज्योतिष शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 8 फरवरी को दोपहर 12 से 3 बजे तक नि:शुल्क विधि परामर्श शिविर का आयोजन जीवायएमसी में किया जाएगा।

माधव बाल निकेतन में आनंद उत्सव आज

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा आनंद उत्सव के तहत 21 जनवरी को माधव बाल निकेतन आश्रम लक्ष्मीगंज कमानी पुल के पास लश्कर में बुजुर्ग महिला व पुरुषों के साथ चम्मच रेस, अंताक्षरी आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। अपर आयुक्त प्रदीप तोमर के निर्देशन में नोडल अधिकारी खेल विभाग बृज किशोर त्यागी व नोडल अधिकारी डे एनयूएलएम अंकुर तोमर के समन्वय से आनंद उत्सव कार्यक्रम प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित किया जा रहा है।

नई पीढ़ी को सांस्कृतिक विरासत से जोड़ेगी प्रदर्शनी

■ ग्वालियर

इंटेक ग्वालियर चैप्टर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय विरासत प्रदर्शनी का मंगलवार को समापन हो गया। प्रदर्शनी के अंतिम दिन सुबह से ही विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों का उत्साहपूर्ण आगमन जारी रहा। ग्रीनवुड पब्लिक स्कूल, आदित्यपुरम तथा ग्वालियर ग्लोरी हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी का मुख्य रूप से अवलोकन किया। इसके साथ ही बड़ी संख्या में

शहरवासियों की भी सहभागिता देखने को मिली, विद्यार्थियों और आगंतुकों में ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कमल, संतोष एवं पवन वर्मा द्वारा शिक्षकों एवं शहरवासियों को उपहार प्रदान किए गए। समापन अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक आईआईटीएम प्रो. आलोक शर्मा ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियां नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर इंटेक ग्वालियर चैप्टर के संयोजक विकास सिंह ने चेयरमैन अशोक सिंह ठाकुर के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर ग्वालियर चैप्टर के संयोजक विकास सिंह, सह-संयोजक चंद्रदीप सिंह सहित चैप्टर के अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

वर्क क्षमतावर्धन कार्यशाला शुरू

ग्वालियर। स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के अंतर्गत स्वच्छता नॉलेज पार्टनर संस्था हिमालयन इंस्टीट्यूट फॉर एनवायरनमेंट, इकोलॉजी एंड डेवलपमेंट (हाईफीड) द्वारा बाल भवन सभागार में सफाई मित्रों के लिए दो दिवसीय स्वच्छता कार्यशाला शुरू हुई। पहले दिन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी सावधानियां हेल्थ हाइजीन एंड प्रिकॉशनरी मेजर्स ड्यूरिंग द सैनिटेशन वर्क विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के आरंभ में हिमालयन इंस्टीट्यूट फॉर एनवायरनमेंट, इकोलॉजी एंड डेवलपमेंट संस्था की प्रशिक्षिका मीनू चौहान द्वारा हेल्थ हाइजीन के संबंध में प्रतिभागियों को जागरूक किया गया।

रईखेड़ा ने लगाई जीत की हैट्रिक

■ ग्वालियर

हरियाणा के सोनीपत में खेली गई इंडिया कप पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में ग्वालियर के अंतरराष्ट्रीय पावर लिफ्टर डॉ. सत्येंद्र सिंह रईखेड़ा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत की हैट्रिक लगाई। रईखेड़ा ने इस चैंपियनशिप में रेफरी का दायित्व भी निभाया। नेचरूल स्ट्रॉन्ग पावर लिफ्टिंग फेडरेशन (एनएसपीएफ) द्वारा सोनीपत की

द एक्जोटिक जिम में 17-18 जनवरी को संपन्न इंडिया कप में देशभर के कई नामचीन खिलाड़ियों ने वजन उठाकर पदक के साथ नकद इनाम जीती। इस दौरान डॉ. सत्येंद्र रईखेड़ा ने मास्टर कैटेगरी (82-90 किग्रा) में, बेंच प्रेस में 100 किग्रा, डेडलिफ्ट में 140 किग्रा और स्काट में 105 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक जीते। उनके पुत्र शुभम प्रताप सिंह ने सीनियर कैटेगरी में एक स्वर्ण पदक जीता।

कॉलेज चलो अभियान में विद्यार्थियों को दी पाठ्यक्रमों की जानकारी

ग्वालियर। कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय चीनौर में एमएलबी महाविद्यालय के शिक्षक पहुंचे। संयोजक डॉ. जितेन्द्र श्रीवास्तव एवं डॉ. दीपक शर्मा ने महाविद्यालय में उपलब्ध पाठ्यक्रमों, शासन एवं उच्च शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं के संबंध में विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया एवं महाविद्यालय के प्रतिष्ठित विभूतियों से भी परिचित कराया गया, जिनमें भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन, प्रख्यात उर्दू शायर जानिसार अख्तर, हॉकी खिलाड़ी ध्यानचन्द्र तथा कार्टूनिस्ट प्राण उल्लेखनीय हैं। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को कॅरियर मार्गदर्शन, सामान्य एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम, सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम और नवीन पाठ्यक्रमों जैसे कृषि में बीएससी, लॉजिस्टिक में सर्टिफिकेट कोर्स बीकॉम इन बैंकिंग, फाइनेंसियल एंड इंश्योरेंस सर्विसेज, चित्रकला विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, अन्तराष्ट्रीय सम्बन्ध, मनोविज्ञान, संस्कृत, वाणिज्य, प्रबंध और पुस्तकालय विज्ञान के पाठ्यक्रम और एमएलबी महाविद्यालय में उपलब्ध समस्त पाठ्यक्रमों और महाविद्यालय के अधोसरंचना से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

समरसता दीप प्रज्वलन में गूंजा हम सब हिंदू भाई-भाई

ग्वालियर। समाज में व्याप्त जातिवाद को समाप्त कर सामाजिक समरसता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मंगलवार को सकल हिंदू समाज के तत्वावधान में गुढ़ागुढ़ी के नाके पर समरसता दीप प्रज्जवलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता अनिल चौधरी ने कहा कि जिस तरह हमारे पूर्वजों ने आजादी के लिए एकजुट होकर संघर्ष किया, उसी प्रकार आज हमें जातिवाद रूपी गुलामी से भी एक होकर लड़ना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ी को इस पीड़ा का सामना न करना पड़े, जिसे हमारी पीढ़ी ने झेला है। उन्होंने कहा कि जातिवाद के कारण हमारा देश विकास की दौड़ में पीछे रह गया है।

जातिवाद के कारण हमारी शक्ति क्षीण हुई है। अब समय आ गया है कि हम सब एक होकर अपने भारत को विश्व गुरु बनाएं और विश्व के कल्याण में अपनी महती भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह ने जात-पात की करो विदाई, हम सब हिंदू भाई-भाई, भारत माता की जय एवं वंदे मातरम् के नारों के साथ समरसता का संदेश दिया। इस अवसर पर रामगोपाल यादव, अरुण चौहान, जनवेद चौरसिया, जगमोहन कुशवाह, शिवेंद्र राठौर, किशोर जैन, गजेंद्र दंडोतिया, बबलू तोमर, महेंद्र वर्मा, बंटी कुशवाह, सुदामा गौड़, नवीन कुशवाह, देवेंद्र तोमर, धीर सिंह भदौरिया, रवि बांगडे, अनूप गोस्वामी, नरसिंह राठौर, शिवनारायण शर्मा, दीपेंद्र अवस्थी आदि उपस्थित रहे।

सिद्ध गुरु खाद बीज भण्डार का लाइसेंस निलंबित

■ ग्वालियर

अमानक गेहूं बीज की बिक्री, बीज नियंत्रण आदेश के उल्लंघन और गंभीर अनियमितताओं के मामले में कृषि विभाग ने कड़ी कार्रवाई करते हुए सिद्ध गुरू खाद बीज भण्डार का बीज विक्रय लाइसेंस निलंबित कर दिया है। यह आदेश लाइसेंसिंग प्राधिकारी (बीज) सह उप संचालक, किसान कल्याण एवं कृषि विकास रणवीर सिंह जाटव द्वारा जारी किया गया है उप संचालक कृषि श्री जाटव ने बताया कि बीज विक्रय केन्द्र से गेहूं बीज किस्म स्टार-325 टीएल का नमूना लेकर बीज परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया था। प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट में यह नमूना मानकों पर खरा नहीं उतरा, जिससे किसानों के साथ धोखाधड़ी की पुष्टि हुई। रिपोर्ट के आधार पर फर्म को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, लेकिन जवाब असंतोषजनक पाए जाने पर विभाग ने तत्काल प्रभाव से लाइसेंस निलंबित कर दिया। यह कार्रवाई किसानों के हितों की रक्षा एवं बीज गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न होने देने के उद्देश्य से की गई है।

कर्मचारी भविष्य निधि को मिला क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार

■ ग्वालियर

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) क्षेत्रीय कार्यालय सागर को वर्ष 2024-25 के लिए हिन्दी क्षेत्र में उत्कृष्ट राजभाषा कार्य के लिए प्रथम श्रेणी में क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 20 जनवरी को देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में किया गया।

पुरस्कार केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त सत्य वर्धन

गौतम को प्रदान किया।

इस अवसर पर श्री गौतम ने कहा कि क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर आने वाले समय में भी राजभाषा हिन्दी के निरंतर, प्रभावी एवं प्रोत्साहनात्मक प्रयोग में इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करता रहेगा। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हुए भविष्य में भी राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं प्रभावी कार्यान्वयन हेतु निरंतर प्रतिबद्ध रहने का आग्रह किया।

सम्पादकीय

नवीन और प्राचीन के बीच भाजपा

मंगलवार 19 जनवरी 2026 को नितिन नबीन भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए। नयी दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में उनके नाम का ऐलान किया गया। इससे पहले श्री नबीन को 14 दिसंबर 2025 को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। 18 जनवरी को उनका नामांकन हुआ और वे पूर्णकालिक अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुने गए। उनके अध्यक्ष बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें माला पहनाई, फिर करीब एक घंटे के भाषण में कहा, श्मैं भाजपा का कार्यकर्ता हूं। मैं मानता हूं कि नितिनजी मेरे बॉस हैं। अब वे मेरे काम का आकलन करेंगे।श वहीं बतौर अध्यक्ष नितिन नबीन ने पहले भाषण में कहा, श्राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मेरा निर्वाचन एक साधारण कार्यकर्ता की असाधारण यात्रा को मिला सम्मान है।इन बातों को सुनकर किसी को भी लगेगा कि देश क्या दुनिया की सबसे बड़ी और ताकतवर पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा कितने लोकतांत्रिक मिजाज की है। यहां साधारण से कार्यकर्ता को भी शिखर तक पहुंचने का मौका मिलता है। एक राष्ट्रीय दैनिक ने तो शीर्षक ही दे दिया -भाजपा का नवीन युग। अलंकार के हिसाब से शीर्षक काफी उपयुक्त है। लेकिन असलियत क्या है ये नितिन नबीन भी जानते हैं, उनके पूर्ववर्ती जे पी नड्डा भी जानते होंगे और भाजपा के बाकी कार्यकर्ता भी।नितिन नबीन बिहार में पांचवी बार के विधायक हैं, यानी राजनीति में उनकी पकड़ है, इससे कोई इंकार नहीं। लेकिन राजनीति में वे अपने पिता भाजपा नेता नवीन किशोर सिन्हा की आकस्मिक मौत के बाद आए। पिता की विरासत संभालनी थी, लिहाजा भाजपा ने परिवारवाद की चिंता किए बिना उन्हें टिकट दी। और फिर लगातार चुनाव जीतकर नितिन नबीन ने अपनी योग्यता साबित की। अब उसी परिवारवाद को भुलाकर ही उन्हें पहले कार्यकारी और फिर पूर्णकालिक अध्यक्ष भी बनाया गया। क्योंकि वे अमित शाह और नरेन्द्र मोदी की पसंद हैं। जे पी नड्डा भी मोदी-शाह की ही पसंद थे, और बतौर अध्यक्ष उनका कार्यकाल बढ़ा-बढ़ाकर उन्हें शीर्ष पद पर बिठाए रखा गया। लेकिन इसके बाद शायद मोदी-शाह को लगा होगा कि इससे ज्यादा खींचने में पार्टी को नुकसान हो सकता है, तो शीर्ष पद का मोहरा बदल दिया गया।वैसे भी बिहार चुनाव जीतने के बाद मोदी-शाह को राज्य का धन्यवाद करना था, तो इसका एक तरीका यही लगा होगा। दूसरी बात युवा चेहरे को आगे रखने से रणनीतियों को धार देने में आसानी भी होती है। ध्यान रहे कि छह अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी बनी थी और नितिन नबीन का जन्म इसके भी करीब दो महीने बाद 23 मई 1980 को हुआ था। यानी जितनी उम्र पार्टी की है, उतनी ही उसके अध्यक्ष की भी। लेकिन इससे भी उनके नाम के चयन का कोई लेना-देना नहीं है। आज की तारीख में भाजपा में आगे रहने की एकमात्र योग्यता मोदी-शाह की पसंद होना है। जिस कांग्रेस पर भाजपा बार-बार परिवारवाद बढ़ाने का आरोप लगाती है। गांधी परिवार के वर्चस्व की आलोचना करती है, वहां स्थिति बिल्कुल अलग है। कांग्रेस में मल्लिकार्जुन खड़गे बाकायदा चुनाव लड़कर अध्यक्ष बने। उन्हें शशि थरूर ने चुनौती भी दी थी। भाजपा की तरह यहां निर्विरोध नामांकन नहीं हुआ। पार्टी के भीतर अब भी कई कांग्रेस नेता किसी फैसले पर अपनी अलग राय देते हैं, या असहमति व्यक्त करते हैं, इसके बाद भी पार्टी में बने रहते हैं।भाजपा में यह सब कभी नहीं हुआ। पहले अटल-आडवानी के युग ही भाजपा थी, जिसमें जना कृष्णमूर्ति, कुशाभाऊ ठाकरे और बंगारू लक्ष्मण जैसे कमजोर अध्यक्ष बनाए गए। नितिन गडकरी या राजनाथ सिंह जैसे कद्दावर नेताओं ने भी पार्टी की कमान संभाली, लेकिन उनसे चुनौती मिलते देख उन्हें किनारे भी कर दिया गया। अब नितिन नबीन कब तक हाशिए से दूर रखे जाएंगे, ये देखना होगा। वैसे उन्होंने भाजपा का अध्यक्ष पद तब संभाला है, जब पार्टी सबसे मजबूत स्थिति में है। 240 लोकसभा सीटें, 99 राज्यसभा सीटें, और 21 राज्यों में भाजपा या एनडीए की सरकार है। अधिकतर नगरीय निकायों पर भी भाजपा का ही कब्जा है। सत्ता के लिहाज से तो पार्टी काफी मजबूत है, लेकिन क्या संगठन के तौर पर भी यही मजबूती नितिन नबीन कायम रख पाएंगे, ये देखना होगा। क्योंकि उनके पीछे अगर अमित शाह और नरेन्द्र मोदी का हाथ है, तो वही उनके लिए बड़ी चुनौती भी हैं। प्रधानमंत्री भले उन्हें अपना बॉस बताएं, लेकिन क्या नितिन नबीन नरेन्द्र मोदी को कभी कोई सलाह दे सकते हैं, या उनके किसी फैसले पर आपत्ति जता सकते हैं, इस सवाल का जवाब वही बेहतर दे पाएंगे। नितिन नबीन के सामने फिलहाल इस साल के केरल, तमिलनाडु, प.बंगाल, असम और पुड्डुचेरी चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन बेहतर दिखाने की चुनौती है। लेकिन असली चुनौती तो 2029 के लोकसभा चुनावों की है, जिसमें अभी से जीत का दावा भाजपा कर चुकी है और अमित शाह के मुताबिक नरेन्द्र मोदी ही तब भी प्रधानमंत्री बनेंगे। हालांकि तब तक मोदी 80 के रहेंगे और भाजपा में यह सवाल प्रबलता से उठ सकता है कि मोदी के बाद कौन।

संघर्ष का सम्मान करना ही सच्ची सफलता है

जो व्यक्ति धैर्य रखना सीख लेता है, वह समय के साथ अपने प्रत्येक लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। जल्दबाजी में पाई गई सफलता हमेशा खोखली होती है, जबकि लंबे संघर्ष से मिली सफलता अर्थपूर्ण होती है। सफलता का सही मूल्यांकन इस बात से नहीं किया जाना चाहिए कि कोई व्यक्ति जीवन में कितनी ऊंचाई तक पहुंचा, बल्कि इस बात से किया जाना चाहिए कि उस स्थान तक पहुंचने के लिए उसने किन कठिन रास्तों पर कदम रखा और उन बाधाओं का सामना किस धैर्य, साहस और ईमानदारी से किया। जीवन की वास्तविक महानता चमकते पदों और बाहरी प्रशंसा में नहीं, बल्कि उस आंतरिक शक्ति में छिपी होती है, जो मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्य से विचलित नहीं होने देती। अक्सर लोग सफलता को धन, प्रतिष्ठा और पद से जोड़कर देखते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि ये सब अस्थायी हैं। स्थायी वही होता है, जो मनुष्य अपने संघर्षों से अर्जित करता है-जैसे चरित्र, आत्मसम्मान और आत्मविश्वास। जब परिस्थितियां प्रतिकूल हों, संसाधन सीमित हों और राह कठिन दिखाई दे, तब भी जो व्यक्ति सीखने की ललक और परिश्रम के प्रति अडिग संकल्प को जीवित रखता है, वही अपने लिए मार्ग स्वयं बनाता है। जीवन का सबसे बड़ा सुख किसी ऊंचे ओहदे पर पहुंचने में नहीं, बल्कि उस कार्य को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करने में है, जिसे करने की जिम्मेदारी हमें सौंपी गई है। कोई भी काम छोटा नहीं होता, यदि उसे सच्चे मन से किया जाए। सच्ची सफलता का आधार अंतिम परिणाम नहीं, बल्कि वह निरंतर प्रयास होता है, जो व्यक्ति बिना थके, बिना शिकायत किए करता है। इसीलिए, मनुष्य के जीवन में शिक्षा का विशेष स्थान है, पर शिक्षा का अर्थ केवल पुस्तकों का ज्ञान या डिग्रियों का संग्रह नहीं होना चाहिए। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य व्यक्ति को जीवन की कठिनाइयों का सामना करने योग्य बनाना है। जब मनुष्य संघर्षों के बीच सीखता है, तभी उसका चरित्र मजबूत होता है और आत्मविश्वास विकसित होता है। वह शिक्षा अधूरी है, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनना न सिखाए। कोई भी व्यक्ति तब तक वास्तविक अर्थों में स्वतंत्र नहीं हो सकता, जब तक वह आत्मनिर्भर नहीं बनता। जो व्यक्ति अपने श्रम और प्रयास से आगे बढ़ता है, वही सफलता का स्वाद चखता है। दूसरों पर निर्भर रहकर प्राप्त की गई उपलब्धियां न तो स्थायी होती हैं और न ही संतोषजनक। महान वे नहीं होते, जिन्हें जीवन में कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ा, बल्कि वे होते हैं, जिन्होंने कठिनाइयों के बावजूद आगे बढ़ने का साहस दिखाया। एक और बात, बाधाएं हमारे मार्ग की शत्रु नहीं, बल्कि हमारे धैर्य, संकल्प और शक्ति की परीक्षा लेने वाली सीढ़ियां होती हैं। प्रत्येक बाधा हमें पहले से अधिक मजबूत, अनुभवी और विनम्र बनाती है। जल्दबाजी में प्राप्त की गई सफलता खोखली होती है, जबकि संघर्ष, परिश्रम और आत्मविश्वास से अर्जित सफलता स्थायी व अर्थपूर्ण होती है। सच्ची सफलता वही है, जो हमें भीतर से मजबूत बनाए, हमारे चरित्र को ऊंचा उठाए और दूसरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बने। सूत्रः स्वाभिमानी बनें जो मनुष्य विपरीत हालात में भी अपने नैतिक मूल्यों से समझौता नहीं करता, वही आगे बढ़ता है। बाहरी पहचान क्षणिक होती है, पर आत्मबल और स्वाभिमान स्थायी पूंजी हैं। कठिन समय ही वह विद्यालय है, जहां विवेक और धैर्य का निर्माण होता है। प्रत्येक चुनौती छिपा हुआ अवसर होती है, जो आत्मविकास का मार्ग खोलती है।

भारत पर आक्रांताओं एवं अंग्रेजो के शासनकाल में भी सनातन हिंदू संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों पर जो विचार गढ़े गए थे, वे पूर्णतः गलत पाए गए थे। जैसे, सनातन संस्कृति के संस्कार रूढ़िवादी हैं एवं यह विज्ञान के धरातल पर खरे नहीं उतरते हैं, आदि, आदि। उनके द्वारा सनातन संस्कृति के बारे में गढ़े गए विचार पूर्णतः उनके आधे अधूरे ज्ञान पर ही आधारित थे। परंतु, आज सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कार विज्ञान के धरातल पर खरे पाए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों के तथाकथित विद्वानों में सनातन हिंदू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में जानकारी का पूर्णतः अभाव है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स नामक एक समाचार पत्र में हाल ही में प्रकाशित एक लेख में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में असत्य विचार प्रकट किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित यह आलेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ का परिपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, न ही संघ की वैचारिक और संगठनात्मक वास्तविकता को। इस लेख में तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्त्रोतों का संतुलित उपयोग नहीं किया गया है और यह लेख पूर्णतः पूर्वाग्रहों पर आधारित दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास एवं संघ के स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न किए गए अतुलनीय कार्यों के बारे में इन महानुभावों को कोई जानकारी ही नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। वर्ष 1947 में जब पाकिस्तानी सेना की टुकड़ियों ने कश्मीर की सीमा को पार करने की कोशिश की थी तब संघ के स्वयसेवकों ने कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों पर बिना किसी प्रशिक्षण के लगातार नजर बनाए रखी थी और तब पाकिस्तानी सेना को रोकने हेतु भारतीय सेना के जवानों के साथ संघ के कई स्वयसेवकों ने भी अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। साथ ही, भारत में विभाजन के समय दंगे भड़कने के दौरान पाकिस्तान से जान बचाकर आए हिंदू शरणार्थियों की सहायता के लिए संघ के स्वयसेवकों ने 3,000 से अधिक राहत शिविर भारत में लगाए थे। कश्मीर के भारत में विलय के समय पाकिस्तान की सेना कबाईलियों के भेष में भारत की सीमा में घुस रही थी, ऐसे में तात्कालीन केंद्र सरकार यह फैसला नहीं ले पा रही थी कि इन परिस्थितियों के बीच क्या किया जाय क्योंकि उस समय कश्मीर के महाराजा श्री हरी सिंह जी भारत में कश्मीर के विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर नहीं कर पाए थे। इन विकट परिस्थितियों के बीच सरदार पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी से मदद मांगी और उन्हें कश्मीर में महाराजा श्री हरी सिंह जी से मिलने भेजा। श्री गुरु जी तुरंत कश्मीर गए एवं महाराजा श्री हरी सिंह जी को समझाया और कश्मीर के भारत में विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करा लिए और उसे दिल्ली भेज दिया।

अमरीकी साम्राज्यवाद का नया युग

जोसेफ ई. स्टिग्लिट्ज

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को वेनेजुएला में उनके कार्यों, अंतर्राष्ट्रीय कानून के उल्लंघन, लंबे समय से चले आ रहे मानदंडों की अवहेलना और अन्य देशों, विशेष रूप से डेनमार्क और कनाडा जैसे सहयोगियों के खिलाफ धमकियों के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। दुनिया भर में अनिश्चितता और आशंका का माहौल छाया हुआ है। परिणाम न तो अमरीका के लिए और न ही शेष विश्व के लिए अच्छे होंगे। हमें अभी भी अमरीकी राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहावर की द्वितीय विश्व युद्ध से उभरे औद्योगिक-सैन्य परिसर के बारे में विदाई चेतावनी याद है। यह अपरिहार्य था कि जिस देश का सैन्य खर्च बाकी दुनिया के संयुक्त सैन्य खर्च के बराबर हो, वह अंततरू अपने हथियारों का इस्तेमाल दूसरों पर प्रभुत्व स्थापित करने के लिए करेगा। राजनीति में आने के बाद से (और शायद उससे पहले भी) उन्होंने खुद को कानून से ऊपर समझा और दावा किया है कि न्यूयॉर्क के फिफ्थ एवेन्यू पर किसी को गोली मारने पर भी उन्हें वोट का नुकसान नहीं होगा। 6 जनवरी, 2021 को अमरीकी कैपिटोल में हुए विद्रोह, जिसकी वर्षगांठ हमने अभी-अभी मनाई है, ने साबित कर दिया कि वह सही थे। 2024 के चुनाव ने रिपब्लिकन पार्टी पर ट्रम्प की पकड़ को और मजबूत कर दिया, जिससे यह सुनिश्चित हो गया कि पार्टी उन्हें जवाबदेह ठहराने के लिए कुछ नहीं करेगी। वेनेजुएला के तानाशाह निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी स्पष्ट रूप से गैरकानूनी और असंवैधानिक थी। सैन्य हस्तक्षेप होने के नाते, इसके लिए कांग्रेस की मंजूरी आवश्यक थी, भले ही यह सूचना न भी हो। और भले ही इसे कानून प्रवर्तन का मामला मान लिया जाए, अंतर्राष्ट्रीय कानून के अनुसार ऐसे मामलों में प्रत्यर्पण अनिवार्य है। कोई भी देश दूसरे देश की संप्रभुता का उल्लंघन नहीं कर सकता या विदेशी नागरिकों, विशेष रूप से राष्ट्राध्यक्षों, को उनके देश से अगवा नहीं कर सकता। इसराईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य लोगों पर युद्ध अपराधों के आरोप लगे हैं लेकिन किसी ने भी उन्हें कहीं भी पकडने के लिए सेना तैनात करने का प्रस्ताव नहीं रखा। ट्रम्प की बाद की टिप्पणियां और भी अधिक बेशर्मी भरी हैं। उनका दावा है कि उनका प्रशासन वेनेजुएला को नियंत्रित करेगा और उसका तेल छीन लेगा, जिसका अर्थ है कि देश को उच्चतम बोली लगाने वाले को भी तेल बेचने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इन इरादों को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि साम्राज्यवाद का एक नया युग शुरू हो चुका है। जिसकी लाठी उसकी भैंस और बाकी कुछ मायने नहीं रखता। और उन रिपब्लिकनों की ओर से कोई खास विरोध नहीं हुआ, जो कभी गर्व से अमरीकी मूल्यों का बखान करते थे। कई टीकाकारों ने वैश्विक शांति और स्थिरता पर इसके प्रभावों पर पहले ही चर्चा कर ली है। यदि अमरीका पश्चिमी गोलार्ध को अपना प्रभाव क्षेत्र घोषित करता है (डॉनरो सिद्धांत) और चीन को वेनेजुएला के तेल तक पहुंचने से रोकता है, तो चीन पूर्वी एशिया पर दावा क्यों न करे और अमरीका को ताइवान के तेल तक पहुंचने से क्यों न रोके? ऐसा करने के लिए उसे ताइवान पर शासन करने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि केवल उसकी नीतियों को नियंत्रित करना होगा। ट्रम्प का साम्राज्यवाद, जिसमें कोई सुसंगत विचारधारा नहीं है, खुले तौर पर सिद्धांतहीन है-यह केवल लालच और सत्ता की भूख की अभिव्यक्ति है। यह अमरीकी समाज के सबसे लालची और कपटी लोगों को आकघ्षत करेगा। ऐसे लोग धन का सृजन नहीं करते। वे अपनी ऊर्जा को लाभ कमाने में लगाते हैं-बाजार शक्ति, छल या सीधे शोषण के माध्यम से दूसरों को लूटते हैं। समृद्धि के लिए कानून का शासन आवश्यक है। इसके बिना अनिश्चितता का साया बना रहता है। क्या सरकार मेरी संपत्ति जब्त कर लेगी? क्या अधिकारी किसी छोटी-मोटी गलती को नजरअंदाज करने के लिए रिश्वत मांगेंगे? क्या अर्थव्यवस्था में सभी के लिए समान अवसर होंगे, या सत्ता में बैठे लोग हमेशा अपने चहेतों को ही तरजीह देंगे? लॉर्ड एक्टन ने कहा था, सत्ता भ्रष्ट करती है और निरंकुश सत्ता पूर्णतरू भ्रष्ट करती है। लेकिन ट्रम्प ने यह साबित कर दिया है कि अभूतपूर्व भ्रष्टाचार में लिप्त होने के लिए निरंकुश सत्ता की आवश्यकता नहीं होती। उम्मीद है कि हम ट्रम्प शासन के चरम पर पहुंच चुके हैं और 2026 और 2028 के चुनावों के साथ इस कुशासन का भयावह दौर समाप्त हो जाएगा। लेकिन यूरोप, चीन और बाकी दुनिया सिर्फ उम्मीद के भरोसे नहीं रह सकती। उन्हें ऐसी आकस्मिक योजनाएं बनानी चाहिएं, जो इस बात को समझें कि दुनिया को अमरीका की जरूरत नहीं है।

जे .पी . नड्डा : एक शांत रणनीतिकार की विदाई

के.एस. तोमर

यह एक अनुभवी राजनेता जगत प्रकाश नड्डा के लिए भावुक विदाई है, एक ऐसी विदाई, जो राजनीतिक विडंबनाओं और उपलब्धियों के अनोखे संगम से सजी है। हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक और अभूतपूर्व जीत के बाद महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों में मिली निर्णायक सफलता ने इस विदाई को राजनीतिक पुनर्स्थापन और संगठनात्मक विजय के पुष्पगुच्छ में बदल दिया। अस्थिर राजनीति के बीच कार्यकाल रू औपचारिक रूप से उनका कार्यकाल संतोष, आत्मविश्वास और शांत गर्व की अनुभूति कराता है। राजनीतिक अस्थिरता के दौर में पार्टी की कमान संभालते हुए उन्होंने न केवल संगठन की वैचारिक जड़ों को मजबूत किया बल्कि भाजपा के चुनावी विस्तार को नए क्षेत्रों तक पहुंचाया। उनके नेतृत्व में भाजपा ने अपने पारंपरिक गढ़ों को और सुदृढ़ किया, जिससे वह भारत की प्रमुख राजनीतिक शक्ति के रूप में और स्थापित हुई। नड्डा का कार्यकाल शांत परिश्रम, रणनीतिक जमीनी संगठन और वैचारिक अनुशासन के साथ डिजिटल नवाचार के संतुलन के लिए जाना जाएगा। उन्होंने परंपरा और आधुनिकता के बीच सेतु बनाते हुए पार्टी को उसकी मूल हिंदुत्व विचारधारा में दृढ़ रखा और साथ ही डाटा-आधारित, तकनीक-सक्षम चुनावी रणनीति को आगे बढ़ाया। कोविड-19 महामारी के दौरान उनका नेतृत्व विशेष रूप से परखा गया, जब उन्होंने पार्टी कार्यकत्ताओं को देशव्यापी राहत और सेवा कार्यों के लिए संगठित किया और संकट को जनसंपर्क व सेवा

के अवसर में बदला। नड्डा अपनी सफलता का श्रेय ईश्वरीय कृपा को देते हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। वह मानते हैं कि अमित शाह द्वारा स्थापित संगठनात्मक मानकों को बनाए रखना उनके लिए बड़ी जिम्मेदारी थी और उन्होंने उसे निभाने का हरसंभव प्रयास किया। प्रधानमंत्री मोदी की असाधारण क्षमता और प्रतिबद्धता पर उनका अटूट विश्वास है, जो खंडित जनादेश और आक्रामक विपक्ष के बीच भी एन.डी.ए. सरकार को स्थिर दिशा देने में सक्षम है। उन्होंने कहा, जनता ने मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया है, जो हर भाजपा अभियान को नई ऊर्जा और अजेय जुझारूपन देता है।उनके अनुसार, मोदी के निर्णायक नेतृत्व में लोकसभा, बिहार, महाराष्ट्र और हरियाणा की जीतें, जनता के विश्वास का प्रमाण हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी मित्रता 1990 के दशक की शुरूआत से है, जब दोनों हिमाचल प्रदेश में पार्टी कार्यों के लिए लंब्रेटा स्कूटर पर साथ यात्रा करते थे। नड्डा को भाजपा में पीढ़ीगत नेतृत्व परिवर्तन पर विशेष गर्व है। कई राज्यों में मौजूदा सांसदों को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाकर पार्टी ने एक नया मानदंड स्थापित किया। उनके अनुसार, यह प्रयोग भाजपा कार्यकत्ताओं की अनुशासनबद्धता और किसी भी चुनौती के लिए तत्परता को दशार्ता है। आर.एस.एस. के साथ तालमेल को वह संगठन की वैचारिक रीढ़ बताते हैं, जो कठिन परिस्थितियों में भी पार्टी को स्थिर रखती है। आर.एस.एस. प्रचारक से राज्यसभा में सदन के नेता तक का नड्डा का सफर भाजपा की आदर्श सफलता की कथा है। अनुशासित कार्यशैली, रणनीतिक दृष्टि और वैचारिक दृढ़ता उनके उदय की पहचान रही है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मिली शानदार जीतें उनके संगठनात्मक कौशल का प्रमाण हैं। 2024 में पूर्ण बहुमत न मिलने के बावजूद एन.डी.ए. की सत्ता में वापसी, उनके कार्यकाल में रखी गई मजबूत नींव को दशार्ती है। 2017 में हिमाचल प्रदेश में मुख्यमंत्री पद की दौड़ में आगे होने के बावजूद नड्डा ने कोई लॉबिंग नहीं की। प्रेम कुमार धूमल की हार के बाद भी उन्होंने नेतृत्व पर पूरा भरोसा दिखाया। नड्डा को 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष और 2020 में पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसी कहीं अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। नड्डा उत्तर-दक्षिण विभाजन की कोशिशों की तीखी आलोचना करते हैं। उनके अनुसार, दक्षिण भारत में भाजपा की बढ़ती उपस्थिति ने इस तरह की राजनीति को सिरे से खारिज कर दिया है। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव हारने का दर्द जरूर रहा लेकिन लोकसभा की चारों सीटों पर भाजपा की जीत ने उनकी प्रतिष्ठा बहाल कर दी। नड्डा की राजनीतिक यात्रा 1970 के दशक में पटना कॉलेज में जे.पी. आंदोलन से शुरू हुई, जिसने भ्रष्टाचार के खिलाफ राष्ट्रीय चेतना जगाई और इंदिरा गांधी की हार का मार्ग प्रशस्त किया। संघ की पृष्ठभूमि और 1990-91 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ए.बी.वी.पी.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्य ने उनकी संगठनात्मक क्षमता को निखारा। अटल बिहारी वाजपेयी, भैरों सिंह शेखावत और लाल कृष्ण अडवानी जैसे नेताओं के सान्निध्य में उनका राजनीतिक विकास हुआ।

मददवीर अग्निवीर

सेना में अग्निवीर योजना के क्रियान्वयन के वक्त इनकी अल्पकालिक सेवा और सेवानिवृत्ति के बाद उनके भविष्य को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। लेकिन अब धीरे-धीरे कई आशंकाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। प्रशिक्षित अग्निवीरों के लिये नये-नये अवसर बन रहे हैं। हाल ही में हरियाणा सरकार ने राज्य में गठित होने जा रही डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। यह सुखद ही है कि अग्निपथ योजना के पहले बैच के सेवा काल की समाप्ति से पहले हरियाणा सरकार ने उनके समायोजन की पहल की है, जिसका अनुकरण देश के अन्य राज्यों को भी करना चाहिए। जिससे इस कुशल-प्रशिक्षित युवा शक्ति की ऊर्जा के बेहतर इस्तेमाल की पहल हो सके। दरअसल, हरियाणा में स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को वरीयता देने की बात कही गई है। निश्चय ही इस कदम से जहां अग्निवीरों की नई पीढ़ी सामने आएगी, वहीं राज्य को इनके कुशल प्रशिक्षण का लाभ मिल सकेगा। यह भी हकीकत है कि बदलते वक्त के साथ आपदाओं की पुनरावृत्ति व घातकता बढ़ रही है, उससे जूझने के लिये भी अनुभवी व प्रशिक्षित बल की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। जो एक स्थायी, पेशेवर और पूर्णकालिक बल के जरिये ही संभव हो सकता है। दरअसल, हरियाणा में सरकार ने भरोसा दिलाया है कि राज्य में गठित होने वाली एसडीआरएफ बटालियन में अधिकतम संख्या अग्निवीरों की ही होगी। विश्वास किया जा रहा है कि अग्निवीरों वाली एसडीआरएफ प्राकृतिक आपदाओं मसलन बाढ़, भूकंप, औद्योगिक दुर्घटनाओं, अग्निकांडों व रासायनिक आपदाओं की चुनौती का सफलता से मुकाबला कर सकेगी। माना जा रहा है कि अग्निवीरों को मिला कठोर प्रशिक्षण आपातकालीन स्थितियों से मुकाबले में मददगार साबित होगा। दरअसल, ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थितियों में तीव्र गति से कार्रवाई करते नागरिकों के जीवन की रक्षा करने की प्राथमिकता होती है। जो प्रशिक्षित और अनुभवी टीम के द्वारा ही संभव हो सकता है। कहा जा रहा है कि राज्य की सभी डिविजनों में क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में उत्तर प्रदेश में नोएडा में धुंध के चलते हुई एक सड़क दुर्घटना में एक युवा इंजीनियर की मौत हुई। बेटे को मौत के मुंह में समाते देख असहाय पिता ने पुलिस से मदद मांगी। लेकिन मदद के लिये पहुंची टीम के पास इस चुनौती का मुकाबला करने के लिये जरूरी उपकरण व अनुभव नहीं था। ऐसे में युवा इंजीनियर ने पिता के सामने ही डूबकर दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद तमाम लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद आपदा राहत बल को प्रशिक्षित करने और जीवन रक्षा के तमाम उपकरण उपलब्ध कराने की जरूरत महसूस की जा रही है। ऐसे में हरियाणा में एसडीआरएफ बटालियन के गठन और उसमें प्रशिक्षित व अनुभवी अग्निवीरों की तैनाती की घोषणा के बाद उम्मीद जगी है कि हरियाणा की सुरक्षा कुशल हाथों में रहेगी। तब प्राकृतिक, औद्योगिक व आगजनी आदि की घटनाओं में जन-क्षति को कम करने में मदद मिल सकेगी। हालांकि, अब तक हरियाणा में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में आईआरबी की बटालियन पहले ही नोडल डिजास्टर रिस्पॉन्स एजेंसी के रूप में सक्रिय रही है। इसके अंतर्गत सैकड़ों कर्मचारियों को आपदाओं से निबटने के लिये प्रशिक्षण दिया जा चुका है। लेकिन आपदाओं व दुर्घटनाओं की घातकता के मद्देनजर स्पेशल व स्थायी बल की आवश्यकता लगातार महसूस की जाती रही है। विश्वास किया जाना चाहिए कि अनुभवी नेतृत्व में प्रशिक्षित टीम व आधुनिक जीवन रक्षा उपकरण उपलब्ध कराये जाने से एसडीआरएफ तमाम चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हो सकेगी। निश्चित रूप से अग्निवीरों की सेना में कुशल ट्रेनिंग, अनुशासन के साथ चुनौतियों का मुकाबला करने का प्रशिक्षण व फील्ड में हासिल अनुभव स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स को प्रभावी बनाएगा। जिसके आधार पर ही सरकार ने उन्हें एसडीआरएफ बटालियन में प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। निश्चित तौर पर इससे राज्य में आपदा में तुरंत प्रतिक्रिया क्षमता को संबल मिलेगा। साथ ही अग्निवीरों को अपनी क्षमता प्रदर्शन का नया मंच मिलने से, युवा सेना की अग्निवीर योजना को कैरियर के विकल्प के रूप में चुन सकेंगे।

बिना जिम के घर बैठे ढाई महीने में कम कर सकते हैं 10 किलो वजन, डॉक्टर ने दिए तीन जरूरी सुझाव

अक्सर कुछ लोग वजन कम करना चाहते हैं लेकिन व्यस्त दिनचर्या की वजह से वो वर्कआउट नहीं कर पाते हैं। ऐसे में लोगों के मन से सवाल उठता है कि क्या घर बैठे भी वजन कम किया जा सकता है? इसी सवाल का जवाब डॉक्टर मल्हार गणला ने दिया, जिसके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए। वजन कम करने का नाम आते ही हमारे दिमाग में जिम की भारी मशीनों और पसीने से तरबतर वर्कआउट की तस्वीर उभरती है, लेकिन डॉक्टर मल्हार गणला ने एक नए और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इस धारणा को बदल दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में दावा किया है कि बिना किसी भारी कसरत के भी केवल ढाई महीने में 10 किलो वजन कम किया जा सकता है। डॉक्टर गणला के अनुसार, वजन घटाना शारीरिक मेहनत से ज्यादा शरीर के भीतर पोषक तत्वों के संतुलन और सही आदतों का खेल है। अक्सर लोग वजन कम करने की होड़ में खुद को भूखा रखने लगते हैं, जिससे शरीर कमजोर हो जाता है और मेटाबॉलिज्म सुस्त पड़ जाता है। यह खबर उन लाखों लोगों के लिए एक उम्मीद की किरण है जो ऑफिस की व्यस्तता या समय के अभाव के कारण जिम नहीं जा पाते। उन्होंने तीन ऐसे बुनियादी सुझाव दिए हैं जो शरीर को आंतरिक रूप से सेटल करते हैं और प्राकृतिक तरीके से चर्बी घटाने में मदद करते हैं।

भूख मारना बंद कर शरीर की जरूरतों को कैसे समझें?

डॉक्टर गणला का पहला और सबसे महत्वपूर्ण सुझाव है कि भूख को दबाना बंद करें और उसे समझना शुरू करें। शरीर को जब जरूरी न्यूट्रिएंट्स नहीं मिलते, तो वह बार-बार भूख के संकेत भेजता है। उन्होंने सुझाव दिया है कि ओमेगा 3,6 (1000ॅ डेली), विटामिन ऊ(60' यूनिट मासिक) के साथ विटामिन ङ2 (55ॅ डेली) और मैग्नीशियम (200ॅ डेली) के सप्लीमेंट्स लेकर शरीर की पोषक तत्वों की भूख को शांत किया जा सकता है। इसके साथ रोज एक मल्टीविटामिन सप्लीमेंट भी जरूर लें इससे बेवजह खाने की इच्छा खत्म होती है।

बाहर के खाने से परहेज वजन घटाने में कितना प्रभावी है?

वजन घटाने का दूसरा चरण 'घर के खाने' की शुद्धता को अपनाना है। डॉक्टर सलाह देते हैं कि बाहर के जंक फूड और प्रोसेस्ड खाने से पूरी तरह परहेज करें। चाहे आप ऑफिस जा रहे हों या किसी काम से बाहर, हमेशा अपने साथ घर का बना संतुलित भोजन रखें। बाहर जाने से पहले भी घर से ही खाना खाकर निकलें। घर का बना खाना कैलोरी को नियंत्रित रखने और मेटाबॉलिज्म को स्थिर करने का सबसे सुरक्षित तरीका है।

क्या बिना जिम और भारी एक्सरसाइज के वजन कम हो सकता है?

चौंकाने वाली बात यह है कि डॉक्टर शुरूआती ढाई महीनों में भारी एक्सरसाइज बंद करने की सलाह देते हैं। इसके बजाय वे 'लाइट वॉक' (हल्की सैर), लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों का उपयोग और सूर्य नमस्कार जैसे योग करने का सुझाव देते हैं। जब शरीर इन बदलावों के साथ सेटल होने लगे और वजन कम होने लगे, तब आप जिम जाने के बारे में सोच सकते हैं। यह तरीका शरीर पर बिना मानसिक दबाव डाले फैट बर्न करता है।

स्थायी वजन घटाने का सही तरीका

डॉक्टर मल्हार गणला के ये सुझाव यह साबित करते हैं कि फिटनेस के लिए केवल पसीना बहाना ही काफी नहीं है, बल्कि सही पोषण और अनुशासित दिनचर्या जरूरी है। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें ₹क्रैश डाइटिंग₹ के खतरों से बचाकर वैज्ञानिक और स्वस्थ वजन घटाने की ओर प्रेरित करती है। जब आप अपने शरीर की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करते हैं और बाहर के रसायनों से बचते हैं, तो वजन घटाना एक सहज प्रक्रिया बन जाती है।

वसंत पंचमी पर मंदिर कैसे सजाएं, ताकि मां सरस्वती स्वयं प्रसन्न हो जाएं

वसंत पंचमी पर घर के मंदिर की सजावट खास तरीके से करें, इससे ना सिर्फ सौंदर्य बढ़ेगा, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा भी जाग्रत होगी। यहां आपको वसंत पंचमी पर मंदिर की सजावट के आइडिया बताए जा रहे हैं। वसंत पंचमी वाणी, वीणा और विद्या की देवी मां सरस्वती को समर्पित पर्व है। पीला रंग, पुष्प, स्वच्छता और सादगी इस पर्व की आत्मा हैं। यह पर्व ऋतुओं से भी संबंधित है। वसंत पंचमी से ठंड कम और धरती पीले फूल-पत्तियों से सज जाती है। इस दिन मां सरस्वती का आान किया जाता है। ऐसे में अगर आप घर पर ही मां सरस्वती की पूजा करने जा रही हैं तो इस शुभ अवसर पर घर के मंदिर की सजावट खास तरीके से करें।

वसंत पंचमी 2026 पर मंदिर सजाना केवल रस्म नहीं, आंतरिक तैयारी है। जब घर का मंदिर सादगी, स्वच्छता और श्रद्धा से सजता है, तब मां सरस्वती केवल मूर्ति में नहीं, मन में विराजती हैं। वसंत पंचमी पर अगर आप घर के मंदिर की सजावट सोच-समझकर करती हैं तो ये केवल सौंदर्य नहीं बढ़ाएगा, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा को भी जाग्रत करेगा। इस लेख में जानिए वसंत पंचमी के मौके पर मंदिर की सजावट के लिए काम के टिप्स।

वसंत पंचमी पर मंदिर सजाने के काम के टिप्सपीले रंग को बनाएं सजावट का केंद्र

पीला रंग वसंत का प्रतीक है। यह उत्साह, ज्ञान और सकारात्मकता का भी प्रतीक है।

मंदिर के पीछे पीला कपड़ा या चुनरी लगाएं।

पीले फूल जैसे गेंदा, सरसों, गुलदाउदी का प्रयोग करें।

बहुत गहरे या चटक रंगों से बचें, सादगी रखें।

याद रखें वसंत पंचमी की सजावट में भव्यता नहीं, कोमलता सुंदर लगती है।

फूलों से करें प्राकृतिक और पारंपरिक सजावट

प्लास्टिक या आर्टिफिशियल फूलों से जितना दूर रहें, उतना बेहतर।

फूलों की छोटी मालाएं बनाकर मंदिर के चारों ओर सजाएं।

देवी प्रतिमा के चरणों में ताजे फूल अर्पित करें।

चाहें तो फूलों से सरस्वती यंत्र या का आकार बनाएं।

फूल केवल सजावट नहीं, जीवित ऊर्जा हैं।

दीयों और प्रकाश से रचें दिव्यता

वसंत पंचमी पर हल्का, सौम्य प्रकाश सबसे शुभ माना जाता है।

पीतल या मिट्टी के छोटे दीये जलाएं।

प्रदूषण की वजह से आंखों में हो रही है जलन, अपनाएं ये उपाय मिनटों में दूर होगी आपकी परेशानी

वायु प्रदूषण में आंखों में जलन होना एक समस्या है। ऐसी स्थिति में अक्सर लोगों के इस परेशानी से जुड़े कई सवाल होते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं, साथ ही इससे बचाव के कुछ उपाय और सावधानियों के बारे में विस्तार से जानते हैं। दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों वायु प्रदूषण एक बार बढ़ा हुआ है। ठंड और स्मॉग ने न केवल हमारे फेफड़ों बल्कि हमारी आंखों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण (ढट 2.5), जहरीली गैसें और धूल के कण आंखों की नाजुक झिल्ली के संपर्क में आते ही जलन, खुजली और लालिमा पैदा करने लगते हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, प्रदूषण के कारण आंखों में 'ड्राई आई सिंड्रोम' की समस्या तेजी से बढ़ रही है, क्योंकि जहरीले कण आंखों की नेचुरल नमी यानी आंसू की परत को सुखा देते हैं। दरअसल, जब आप बाहर निकलते हैं, तो ये प्रदूषक सीधे आपकी आंखों की सतह पर चिपक जाते हैं, जिससे न केवल तात्कालिक परेशानी होती है, बल्कि लंबे समय में दृष्टि पर भी बुरा असर पड़ सकता है। आंखों में होने वाली यह चुभन और पानी गिरना इस बात का संकेत है कि आपकी आंखों का रक्षा तंत्र बाहरी विषैले तत्वों से लड़ने में असमर्थ हो रहा है। ऐसे स्थिति में आप आंखों को सुरक्षित रखने के लिए कुछ सावधानी बरत सकते हैं, जिसके बारे में आपको जानना चाहिए।

आंखों को प्रदूषण से राहत दिलाने का सबसे पहला और प्रभावी उपाय है आंखों को बार-बार साफ पानी से धुलना। जब आप बाहर से घर लौटें, तो ठंडे पानी के छींटे मारें ताकि सतह पर जमा धूल के कण निकल जाएं। इसके अलावा एक साफ सूती कपड़े को ठंडे पानी में भिगोकर आंखों पर 5-10 मिनट के लिए रखें। यह न सिर्फ जलन को कम करेगा, बल्कि रक्त वाहिकाओं को सिकोड़कर लालिमा को भी कम करने में मदद करेगा।

खीरे और गुलाब जल का प्राकृतिक उपचार

आंखों की जलन को मिनटों में दूर करने के लिए खीरे के स्लाइस या गुलाब जल में भीगे कॉटन पैड्स का उपयोग करें। खीरे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और ठंडक देने वाले गुण आंखों की सूजन को कम करते हैं। गुलाब जल एक प्राकृतिक क्लीनर की तरह काम करता है जो आंखों के भीतर छिपे सूक्ष्म प्रदूषकों को बाहर निकाल देता है। ध्यान रहे कि गुलाब जल शुद्ध हो और उसमें किसी प्रकार का रसायन न मिला हो।

सुरक्षात्मक चश्मा और हाइड्रेशन का ध्यान

बाहर निकलते समय 'रैप-अराउंड' सनग्लासेस या प्रोटेक्टिव गियर का उपयोग करें, जो आंखों को सीधी हवा और धूल से बचाते हैं। इसके साथ ही, शरीर में पानी की कमी न होने दें। पर्याप्त पानी पीने से आंखों में आंसू का उत्पादन सही बना रहता है, जो प्रदूषकों को प्राकृतिक रूप से बाहर निकालने के लिए जरूरी है। अपनी डाइट में ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन-अ युक्त खाद्य पदार्थ शामिल करें ताकि आंखों की नमी बनी रहे।

कब लें डॉक्टर की सलाह?

अगर घरेलू उपायों के बावजूद आंखों में तेज दर्द, धुंधलापन या अत्यधिक मवाद महसूस हो, तो इसे हल्के में न लें। प्रदूषण की वजह से होने वाला संक्रमण 'कॉर्नियल अल्सर' तक जा सकता है। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम अक्सर फेफड़ों की चिंता में आंखों को भूल जाते हैं। ध्यान रखें आपकी आंखें अनमोल हैं, प्रदूषित दिनों में इनकी अतिरिक्त देखभाल ही इन्हें भविष्य के खतरों से सुरक्षित रख सकती है।

शरीर में आयरन की कमी होने पर दिखते हैं ये लक्षण, डॉक्टर ने बताई ये जरूरी बातें

शरीर में खून की कमी होने से काफी पहले ही शरीर हमे कुछ संकेत देने लगता है। अक्सर लोग उन संकेतों को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। आइए इस लेख में इन्हीं लक्षणों के बारे में विस्तार से जानते हैं। अक्सर हम मानते हैं कि अगर हमारी ब्लड रिपोर्ट में हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य है, तो शरीर में खून की कोई कमी नहीं है। मगर डॉक्टर शालिनी सिंह सोलंकी ने सोशल मीडिया पर एक महत्वपूर्ण वीडियो साझा कर इस भ्रम को तोड़ा है। उन्होंने बताया कि आयरन का काम सिर्फ खून बनाना नहीं, बल्कि पूरे शरीर के अंगों तक ऑक्सीजन पहुंचाना भी है। आयरन की कमी होने पर आपका हृदय और मस्तिष्क दोनों कमजोर हो सकते हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि रिपोर्ट में हीमोग्लोबिन सामान्य होने के बावजूद आपके शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। डॉक्टर सोलंकी के अनुसार, हीमोग्लोबिन का कम होना आयरन की कमी का 'आखिरी चरण' होता है, उससे पहले शरीर कई अन्य सूक्ष्म संकेतों के जरिए चेतावनी देना शुरू कर देता है। इन लक्षणों को पहचानना इसलिए जरूरी है क्योंकि ऑक्सीजन की कमी आपके अंगों को स्थायी नुकसान पहुंचा सकती है। आइए इस लेख में जानते हैं कि शरीर में आयरन की कमी होने पर कैसे लक्षण दिखते हैं।

आयरन की कमी होने पर शरीर में कौन से शुरूआती लक्षण दिखते हैं?

डॉक्टर सोलंकी के अनुसार, अगर आपको सुबह उठते ही थकान महसूस होती है और शरीर रिचार्ज नहीं हो पाता, तो यह आयरन की कमी है। इसके अलावा सीढ़ियां चढ़ने या थोड़ा काम करने पर छाती में 'घड़-घड़' (धड़कन तेज होना) महसूस होना, एक्सरसाइज करने की हिम्मत न होना और मांसपेशियों में कमजोरी इसके प्रमुख लक्षण हैं। यह शरीर में कम ऑक्सीजन सप्लाई का नतीजा होता है।

मस्तिष्क और व्यवहार पर आयरन की कमी का क्या असर पड़ता है?

आयरन की कमी सीधे आपके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। जब मस्तिष्क को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलती, तो दिमाग 'स्लो' काम करने लगता है और फोकस कमजोर हो जाता है। डॉक्टर ने बताया कि ऐसे में व्यक्ति की मीठा खाने की इच्छा भी बढ़ जाती है, क्योंकि शरीर ऊर्जा के लिए इंस्टेंट एनर्जी की तलाश करता है। साथ ही महिलाओं में मासिक धर्म के बाद भी लंबे समय तक कमजोरी बनी रहना आयरन की कमी का बड़ा संकेत है।

क्या बाहरी शारीरिक लक्षण भी आयरन की कमी की चेतावनी देते हैं?

जी हां, डॉक्टर सोलंकी ने कुछ स्पष्ट शारीरिक संकेतों का भी जिक्र किया है। अगर आपके मुंह के कोने फटने लगे हैं या जीभ में लगातार जलन का अहसास होता है, तो यह आयरन की कमी का स्पष्ट संकेत है। इसके अलावा मांसपेशियों की कमजोरी के कारण रोजमर्रा के छोटे काम करना भी दूभर हो जाता है। इन लक्षणों का मतलब है कि आपके शरीर में हीमोग्लोबिन का लेवल गिरने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

हीमोग्लोबिन रिपोर्ट पर आंख मूंदकर भरोसा क्यों न करें?

यह खबर हमें सिखाती है कि स्वास्थ्य केवल एक लैब रिपोर्ट के आंकड़ों तक सीमित नहीं है। हीमोग्लोबिन नॉर्मल होने पर भी आयरन की कमी आपके जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है। डॉक्टर सोलंकी की यह सलाह महत्वपूर्ण है क्योंकि समय पर आयरन की कमी को पहचानकर हम हृदय और मस्तिष्क की गंभीर समस्याओं से बच सकते हैं। अपने शरीर के संकेतों को सुनें और केवल हीमोग्लोबिन नहीं, बल्कि 'फेरिटिन' टेस्ट के जरिए आयरन के लेवल की जांच करवाएं।

23 या 24 जनवरी कब है बसंत पंतची? इस शुभ मुहूर्त पर ही करें सरस्वती पूजा

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने मंगलवार को जन-सामान्य को सूचित किया कि विद्या, ज्ञान एवं वाणी की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती को समर्पित बसंत पंचमी का पावन पर्व इस वर्ष गुरुवार, 23 जनवरी 2026 को शास्त्रीय विधि-विधान एवं श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। प्रो. शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के ज्योतिष विभाग द्वारा उपलब्ध कराए गए

प्रामाणिक पंचांगों, धर्मशास्त्रीय मान्यताओं एवं ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार बसंत पंचमी (माघ शुक्ल पंचमी) तिथि का शुभारम्भ 23 जनवरी 2026 को प्रातः 02.29 बजे होगा, जो 24 जनवरी 2026 को प्रातः 01.46 बजे तक प्रभावी रहेगी। इस प्रकार यह तिथि 23 जनवरी को सम्पूर्ण दिवस तथा 24 जनवरी को प्रातः 01.46 बजे तक विद्यमान रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि शास्त्रीय सिद्धान्त शितथिं समनु प्राप्त उदयं याति भास्कररूश के अनुसार, चूंकि 23 जनवरी 2026 को पंचमी तिथि का सूर्योदय से संयोग बन रहा है, अतरू यही दिन बसंत पंचमी पर्व एवं श्री सरस्वती पूजन हेतु मुख्य रूप से मान्य रहेगा। साथ ही, मध्यरात्रि के उपरान्त भी पंचमी तिथि शेष रहने के कारण 24 जनवरी 2026 को सूर्योदय तक विद्यारम्भ, ज्ञान-दान, जप-तप एवं पूजनादि कर्म किए जा सकते हैं। प्रो. शर्मा ने बताया कि ज्योतिषीय दृष्टि से इस वर्ष बसंत पंचमी पर मकर राशि में सूर्य एवं मीन राशि में चन्द्रमा का संयोग, पूवार्भाद्रपद नक्षत्र तथा शिव योग का विशेष प्रभाव बन रहा है, जो ज्ञान, विद्या एवं बौद्धिक साधना के लिए अत्यन्त शुभ माना गया है। विशेष रूप से 23 जनवरी 2026 को प्रातरू 07.56 बजे से अपराह्न 01.59 बजे तक श्री सरस्वती पूजन एवं विद्यारम्भ के लिए श्रेष्ठ मुहूर्त प्राप्त है। कुलपति ने कहा कि बसंत पंचमी भारतीय संस्कृति में ऋतु परिवर्तन, नवचेतना, सृजनशीलता, कला एवं बौद्धिक जागरण का प्रतीक पर्व है। यह दिन विद्यार्थियों, शिक्षकों, साधकों एवं शोधार्थियों के लिए विशेष रूप से कल्याणकारी माना गया है। इस अवसर पर शिक्षण संस्थानों, विद्यालयों एवं सांस्कृतिक संगठनों द्वारा विविध धार्मिक-सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। अन्त में प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने जन-सामान्य से आान किया कि वे उपर्युक्त तिथि, पुण्यकाल एवं मुहूर्त को ध्यान में रखते हुए मां सरस्वती की आराधना करें तथा बसन्त पंचमी पर्व को श्रद्धा, शांति, ज्ञान-साधना एवं उल्लास के साथ मनाएं।

कम उम्र में सफेद हो रहे हैं बाल? इस मसाले को जलाकर बनाएं पाउडर, जानें कैसे लगाएं

आज के समय में सफेद बाल केवल बढ़ती उम्र की निशानी नहीं रह गए हैं। बदलती जीवनशैली, गलत खानपान, ज्यादा तनाव, नींद की कमी और मोबाइल-लैपटॉप की स्क्रीन के ज्यादा इस्तेमाल के कारण अब स्कूल-कॉलेज जाने वाले युवाओं में भी सफेद बालों की समस्या देखने को मिल रही है। ऐसे में बार-बार हेयर कलर करना न तो सेहत के लिए सही है और न ही यह स्थायी समाधान है।

आयुर्वेद क्या कहता है?

आयुर्वेद में बालों को शरीर की अंदरूनी सेहत का आईना माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार, जब शरीर में वात और पित्त दोष का संतुलन बिगड़ता है, तो इसका सीधा असर बालों की जड़ों पर पड़ता है। इसी वजह से बाल कमजोर होकर समय से पहले सफेद होने लगते हैं।

विज्ञान की नजर में सफेद बाल

विज्ञान भी मानता है कि बालों के सफेद होने की मुख्य वजह मेलानिन पिगमेंट की कमी है। मेलानिन ही बालों को उनका काला रंग देता है। तनाव,

ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और पोषण की कमी के कारण मेलानिन का निर्माण कम हो जाता है, जिससे बाल धीरे-धीरे सफेद होने लगते हैं।

सौंफ से कैसे मिलेगी मदद?

सौंफ आमतौर पर पाचन के लिए जानी जाती है, लेकिन आयुर्वेद में इसे त्रिदोष नाशक माना गया है। सौंफ में एंटीऑक्सीडेंट्स, फ्लेवोनॉयड्स और ऐसे प्राकृतिक तत्व पाए जाते हैं जो फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं। एंटीऑक्सीडेंट्स बालों की जड़ों को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचाने में मदद करते हैं, जो समय से पहले सफेद बालों की बड़ी वजह मानी जाती है। इसके अलावा, सौंफ में मौजूद नेचुरल पिगमेंट बालों पर हल्की डार्क कोटिंग बना सकते हैं, जिससे सफेद बाल कुछ समय के लिए छुप जाते हैं।

सौंफ का पाउडर बनाने का तरीका

इस देसी नुस्खे को बनाना बेहद आसान है।

सबसे पहले सौंफ को साफ पानी में कुछ देर भिगो दें ताकि उसकी अशुद्धियां निकल जाएं।

इसके बाद सौंफ को हल्की आंच पर भूनें और फिर पूरी तरह जला लें।

जब सौंफ जलकर काली राख बन जाए, तो उसे ठंडा होने दें।

अब इसे बहुत बारीक पीसकर पाउडर बना लें।

इस पाउडर को सफेद बालों पर लगाएं।

इसका असर करीब एक दिन तक रहता है और अगली बार बाल धोने पर यह हट सकता है। यह उपाय बालों को अंदर से काला नहीं करता, लेकिन सफेद बालों को अस्थायी रूप से ढकने में मदद कर सकता है।

ध्यान देनें वाली बातें

अगर सफेद बालों की समस्या तेजी से बढ़ रही है, तो केवल बाहरी उपायों पर निर्भर न रहें।

राजधानी में डायवर्जन के बाद भीषण जाम,हजरतगंज से विधानसभा तक गाड़ियों की कतार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आज तीसरे दिन भी भीषण जाम लगा। शहर में तीन दिवसीय 86 वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का आज अंतिम दिन है। सम्मेलन के मद्देनजर हजरतगंज इलाके में किए गए ट्रैफिक डायवर्जन के बाद जाम के हालात पैदा हो गए। हजरतगंज चौराहा से विधानसभा तक जाम लग गया। इसके अलावा अर्जुनगंज में क्षेत्र में जाम की स्थिति बन गई। ट्रैफिक डायवर्जन से कैंट सदर में ट्रैफिक जाम लगा। कामता चौराहा, पॉलिटेक्निक के आसपास भीषण जाम देखा गया। काफी देर तक गाड़ियां रेंगती रहीं। शहर का मुख्य चौराहा हजरतगंज है, यहां पर किए गए डायवर्जन के बाद वैकल्पिक मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। इसके बाद एनेक्सी, प्रभात सिनेमा के आसपास, कैंट मॉल एवेन्यू समेत कैसरबाग, गोलागंज में जाम की स्थिति देखी गई। जाम की वजह से स्कूली छात्रों को पैदल जाना पड़ा। हजरतगंज चौराहे से सिविल अस्पताल और सीएम आवास जाने वाले रोड पर भी जाम लग गया। इस दौरान स्कूल छात्र गाड़ियों से निकलकर पैदल जाते हुए नजर आए। स्थानीय लोगों ने कहा कि लखनऊ में जाम लगना आम बात हो गई है।

क्या आज तय होगी बांग्लादेश की किस्मत

ICC ने दिया था 21 जनवरी तक का समय

दुबई। बांग्लादेश की टी20 विश्व कप में भागीदारी पर संकट बना हुआ है। आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से 21 जनवरी तक अंतिम फैसला मांगा था। मुस्तफिजुर-आईपीएल विवाद के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड सुरक्षा कारणों से मैच श्रीलंका में मांग रहा है और ग्रुप बदलने की जिद पर अड़ा है। अब तीन स्थितियां संभव हैं। आइए जानते हैं... भारत में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 को लेकर बांग्लादेश की भागीदारी पर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। स्थिति इतनी उलझ चुकी है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (क्रुउ), बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (इउइ) और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड, किसी की ओर से भी समझौते के आसार नहीं दिख रहे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईसीसी ने बीसीबी को अपना अंतिम फैसला 21 जनवरी तक बताने को कहा था। ऐसे में आज यह तय होना महत्वपूर्ण हो गया है कि बांग्लादेश भारत में विश्व कप खेलेगा या नहीं। मुद्दे की जड़: मुस्तफिजुर-क्कछ विवाद से उपजा तनाव इस विवाद की शुरूआत मुंबई इंडियंस द्वारा बांग्लादेश के स्टार पेसर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से रिलीज करने के बाद हुई। इसके बाद सुरक्षा और टीम माहौल को लेकर बांग्लादेश में नए स्वर उभरे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत यात्रा पर सुरक्षा आशंका जताते हुए कहा कि टीम को श्रीलंका में खेलना चाहिए। उनकी मांग यह थी कि बांग्लादेश को ग्रुप सी से हटाकर ग्रुप बी में भेजा जाए, क्योंकि ग्रुप बी के मैच श्रीलंका में खेले जा रहे हैं। मौजूदा शेड्यूल में बांग्लादेश अपने

लीग मुकाबले कोलकाता और मुंबई में खेलेगा। बांग्लादेश टीम का पहला मुकाबला सात फरवरी को कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। इसके बाद टीम अपने दो और ग्रुप मैच कोलकाता में खेलेगी और अंतिम मैच मुंबई में होगा। इस बीच, बोर्ड अधिकारियों के बयान भी विवाद में घी डालने जैसे साबित हुए। नजरुल इस्लाम ने इस मामले पर अपने ही खिलाड़ियों को घेर लिया, जिससे वहां के खिलाड़ी नाराज हो गए और अपने ही बोर्ड के खिलाफ बगावत शुरू कर दी। हालांकि, बीसीबी के हस्तक्षेप के बाद और नजरुल के एक पद से इस्तीफे के बाद मामला कुछ शांत हुआ। हालांकि, बीसीबी की अकड़ नहीं गई और वह अभी भी अपनी मांग पर अड़ा हुआ है। नतीजतन, मीडिया में अटकलों का सिलसिला और तेज हो गया। क्या स्कॉटलैंड तैयार बैकअप? बीबीसी की रिपोर्ट क्या कहती है रिपोर्ट्स सामने आईं कि अगर बांग्लादेश भाग नहीं लेता है, तो स्कॉटलैंड को विश्व कप में मौका मिल सकता है, लेकिन बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, आईसीसी ने अब तक इस मामले में कोई आधिकारिक बातचीत नहीं की है और क्रिकेट स्कॉटलैंड ने भी आईसीसी से कोई चर्चा न होने की पुष्टि की है। यह पहला मौका नहीं है जब ऐसा विकल्प देखा जा रहा है। साल 2009 में जब जिम्बाब्वे ने इंग्लैंड में हुए टी20 विश्व कप से हटने का निर्णय लिया था, तब स्कॉटलैंड को शामिल किया गया था। यदि बांग्लादेश अंतिम समय तक भारत जाने से इनकार करता है, तो उसकी जगह रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को शामिल किया जाएगा। आईसीसी फिलहाल बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अंतिम फैसले का इंतजार कर रहा है। अब तक इस मामले में क्या-क्या हुआ? बीसीबी का रुख: भारत नहीं, श्रीलंका में खेलने की मांग आईसीसी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच पिछले एक सप्ताह में दो से तीन दौर की बैठकें हुई हैं। शनिवार को ढाका में हुई बैठक में बीसीबी ने अपना रुख दोहराया था कि वे वर्ल्ड कप खेलना चाहते हैं, लेकिन भारत में नहीं। इसके बाद मंगलवार को बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने टी20 विश्व कप को लेकर दिए गए अल्टीमेटम पर क्रिकेट की वैश्विक संस्था आईसीसी को ही घेर लिया। नजरुल ने आसीसी को चेतावनी दी है और कहा है कि वह उनके दबाव के आगे नहीं झुकेगा। इसके लिए उन्होंने पाकिस्तान का भी उदाहरण गिया। नजरुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें स्कॉटलैंड को हमारी जगह शामिल किए जाने के बारे में कुछ भी पता नहीं चला है। यदि आईसीसी हमारे ऊपर दबाव डालता है या भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के आगे झुक जाता है और कोई अनुचित शर्तें थोपता है तो हम उन शर्तों को स्वीकार नहीं करेंगे। नजरुल ने कहा, 'ऐसे कई उदाहरण हैं जब भारत ने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया और आईसीसी ने आयोजन स्थल बदल दिया। हमने भी तर्कसंगत कारण से आयोजन स्थल बदलने का अनुरोध किया है। वे अनुचित और तर्कहीन दबाव डालकर हमें भारत में खेलने के लिए मजबूर नहीं कर सकते।' बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका का विकल्प दिया, जो टी20 वर्ल्ड कप का सह-आयोजक भी है, लेकिन आईसीसी ने शेड्यूल और ग्रुपिंग में बदलाव से साफ इनकार कर दिया। बीसीबी की ओर से जताई गई मुख्य आपत्ति सुरक्षा को लेकर है। बोर्ड का कहना है कि भारतीय जमीन पर खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जोखिम है। हालांकि, आईसीसी इस पर सहमत नहीं है और उसका कहना है कि मौजूदा शेड्यूल ही लागू रहेगा और बांग्लादेश ग्रुप सी का हिस्सा बना रहेगा। आईसीसी का जवाबः सुरक्षा में कोई खास खतरा नहीं शनिवार को बैठक में आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को भरोसा दिलाया था कि सुरक्षा खतरे जैसी कोई गंभीर स्थिति नहीं है। एक स्वतंत्र सुरक्षा एजेंसी की रिपोर्ट के हवाले से आईसीसी ने बताया था कि भारत में सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा गया है और वहां सुरक्षा स्थिति उच्च श्रेणी की है। आईसीसी ने कहा था कि किसी भी टीम को लेकर कोई खास खतरा पहचान में नहीं आया है। इसके बावजूद बीसीबी अपनी मांग पर अड़ा हुआ है और विवाद करीब चार सप्ताह से जारी है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने पहली बार यह आपत्ति चार जनवरी को दर्ज कराई थी। इधर टूर्नामेंट शुरू होने में 20 से भी कम दिन शेष हैं।

सूर्यकुमार के खराब फॉर्म पर क्या बोले रोहित शर्मा बैटिंग लाइन अप पर असर की कड़वी सच्चाई बताई

मुंबई। टी20 विश्व कप 2026 से पहले सूर्यकुमार यादव की बैटिंग फॉर्म को लेकर टीम इंडिया चिंतित है। रोहित शर्मा ने कहा, 'अगर सूर्यकुमार अच्छा नहीं खेलता है तो बैटिंग लाइन-अप को नुकसान होता है।' दूसरी ओर न्यूजीलैंड कप्तान मिचेल सैंटनर ने भारत पर हालिया सफलताओं के कारण अपनी टीम को बढ़त मिलने की बात कही। यह सीरीज विश्व कप से पहले दोनों टीमों के लिए अहम तैयारी होगी। टी20 विश्व कप 2026 को शुरू होने में अब बस कुछ ही दिन का समय बचा है। यह टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। अपने घर पर टी20 टाइटल को डिफेंड करना भारत के लिए एक बड़ा अवसर है, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की बैटिंग फॉर्म टीम इंडिया के लिए एक बड़ा सिरदर्द बनी हुई है। करीब दो साल तक दुनिया के नंबर-एक टी20 बल्लेबाज रहे सूर्यकुमार 2025 में रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे और यही बात पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने भी स्वीकार की है। उन्होंने इसका टीम पर असर के बारे में भी बात की है। 'एक बल्लेबाज कम पड़ जाता है' स्टार स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में रोहित शर्मा ने सूर्या की खराब फॉर्म को सीधे टीम की बैटिंग क्षमता से जोड़ते हुए कहा, 'ये कप्तान के फॉर्म की बात नहीं है। अगर कोई खिलाड़ी फॉर्म में नहीं है, तो हमारे सात-आठ बल्लेबाजों में से एक बल्लेबाज कम हो जाता है। हमारे पास जो मुख्य बैटिंग पावर है, उसमें से अगर एक को हटा दोगे तो वह उतनी प्रभावी नहीं रहेगी। अगर सूर्यकुमार अच्छा नहीं खेलता है तो बैटिंग लाइन-अप को नुकसान होता है।' रोहित के इस बयान ने साफ कर दिया कि सूर्यकुमार के रन न बनाने से भारत का मिडिल ऑर्डर कमजोर पड़ जाता है और बड़े टूर्नामेंट में इसका असर भारी हो सकता है। कप्तानी पर भरोसा बरकरार हालांकि, रोहित ने सूर्या की कप्तानी और क्रिकेट समझ की तारीफ भी की। टी20 प्रारूप से संन्यास लेने के बाद सूर्यकुमार को भारत की कप्तानी सौंपी गई थी। रोहित ने कहा, 'मुझे लगता है सूर्यकुमार को खेल की और अपने साथ खेलने वाले खिलाड़ियों की काफी समझ है और उन्हें पता है कि उनसे बेस्ट कैसे निकलवाना है।

कोहली की आलोचना के बाद मांजरेकर के इस नए बयान से बवाल

मुंबई। न्यूजीलैंड के हाथों पहली बार भारत की घरेलू वनडे सीरीज हार पर जहां आलोचना तेज हो गई है, वहीं पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल का बचाव किया है। मांजरेकर ने दावा किया कि द्विपक्षीय सीरीज का कोई महत्व नहीं होता और क्रिकेट फैंस दो हफ्ते बाद इन नतीजों को याद भी नहीं रखते। उनके मुताबिक, असली मायने केवल वर्ल्ड कप के होते हैं। भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर पहली बार वनडे सीरीज (2-1) में हार झेलनी पड़ी, जिसके बाद आलोचना सीधे कोच गौतम गंभीर और युवा कप्तान शुभमन गिल तक पहुंच गई। इस बीच संजय मांजरेकर ने इंडिया टीम मैनेजमेंट के बचाव में आते हुए विवादित टिप्पणी की है और फैंस को भड़काने वाला बयान दिया है। मांजरेकर ने कहा कि यह सीरीज उतनी बड़ी बात नहीं है जितनी दिखाई जा रही है क्योंकि द्विपक्षीय सीरीज लंबे समय तक याद भी नहीं रहती। उनके मुताबिक, टीम को अपने खराब प्रदर्शन अभी सुधार लेने चाहिए ताकि बड़े टूर्नामेंट में गलती न हो। 'वनडे में मायने सिर्फ वर्ल्ड कप के हैं' संजय मांजरेकर ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम वीडियो में ऐसा बयान दिया जो बहस का मुद्दा बन गया। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो आज 50 ओवर क्रिकेट में असली मायने सिर्फ वर्ल्ड कप के हैं, चैंपियंस ट्रॉफी के भी नहीं। अगर आप कोशिश करें और पिछली तीन चैंपियंस ट्रॉफी विजेताओं को याद करें, तो आपको मुश्किल होगी, लेकिन 50 ओवर वर्ल्ड कप के विजेता हर कोई याद रखता है।' उनके अनुसार टीम को इस समय झटके मिलते रहें तो बेहतर है, क्योंकि वर्ल्ड कप से पहले गलतियों को सुधारने का मौका मिल जाता है। 'दो हफ्तों बाद कोई नतीजा याद नहीं रखता' मांजरेकर ने द्विपक्षीय सीरीज के महत्व पर बड़ा सवाल उठाते हुए कहा, 'ये द्विपक्षीय सीरीज शेड्यूल्ड होती हैं, लेकिन असल में वार्म-अप मैच जैसी होती हैं। इन पर ज्यादा पढ़ने की जरूरत नहीं होती।

शुरूआती टी20 से पहले क्यों चर्चा में हैं रिंकू सिंह बहन नेहा को किस वजह से मांगनी पड़ी माफी

नई दिल्ली। रिंकू सिंह के हाल ही में हिंदू देवताओं को लेकर किए गए सोशल मीडिया पर विवाद शुरू हो गया है। इस मामले में करणी सेना ने उनके खिलाफ तहरीर दी। वहीं, भारतीय बल्लेबाज की बहन नेहा सिंह ने माफी भी मांगी है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच आज से नागपुर में शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले स्टार बल्लेबाज रिंकू सिंह चर्चा में हैं। इसका कारण उनका एक सोशल मीडिया पोस्ट है जिसके खिलाफ करणी सेना ने शिकायत दर्ज कराई है। चौंकाने वाले बात यह भी है कि इस संबंध में रिंकू की बहन नेहा सिंह ने माफी भी मांगी है। अब हम यहां आपको इस पूरे मामले की तफ्सील से जानकारी देंगे। आइये जानते हैं... कहां से शुरू हुआ विवाद? हाल ही में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें हिंदू देवताओं की एआई जनरेटेड तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया था। वीडियो में भगवान हनुमान, शंकर, विष्णु और गणेश को काला चश्मा लगाए कार चलाते हुए दिखाया गया। वहीं, रिंकू ने खुद को छक्के मारते दिखाया। बैकग्राउंड में वीडियो के अंग्रेजी गाना बज रहा था, जिसके बाद हंगामे की शुरूआत हुई। करणी सेना ने की कार्रवाई की मांग करणी सेना ने 18 जनवरी को सासनी गेट थाने में रिंकू सिंह के वायरल पोस्ट को लेकर तहरीर दी। करणी सेना के जिलाध्यक्ष सुमित तोमर की अगुवाई में थाने पहुंचे कार्यकर्ताओं ने तहरीर देकर कहा कि क्रिकेटर रिंकू सिंह की ओर से एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल की गई है, जिसमें एक गाड़ी में कुछ हिंदू देवताओं को काला चश्मा लगाकर अंग्रेजी गाना बजाते हुए एआई से दिखाया गया है। साथ में रिंकू को छक्के लगाते दिखाया गया है। इससे जनभावनाएं आहत हो रही हैं। मामले में कार्रवाई की मांग की गई है। रिंकू की बहन नेहा की एंट्री कैसे हुई? दरअसल, 20 जनवरी को नेहा सिंह ने फेसबुक अकाउंट पर रिंकू के समर्थन में पोस्ट किया था, जिसके बाद विवाद और बढ़ गया। नेहा सिंह ने भाई रिंकू के समर्थन में अपने सोशल मीडिया अकाउंट से दो तस्वीरें साझा की हैं। इनमें एक तस्वीर वो है जो रिंकू ने खुद साझा की थी और जिससे विवाद शुरू हुआ था। वहीं, नेहा ने जो दूसरी तस्वीर साझा की है उसमें पीएम मोदी जो पतंग उड़ा रहे हैं।

डेरिल मिचेल ने एक हफ्ते में ही छीनी विराट कोहली की बादशाहत

दुबई। न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक 1-2 सीरीज जीत के बाद आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में बड़ा बदलाव आया है। विराट कोहली नंबर-एक की पोजिशन से हटकर दूसरे स्थान पर चले गए हैं, और उनके स्थान पर न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। मिचेल ने सीरीज में दो शतकों के साथ शानदार प्रदर्शन किया और वह सीरीज के सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए तीन वनडे मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से हार गई और इसका सीधा असर आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग पर पड़ा है।

आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में विराट कोहली नंबर-एक का स्थान गंवा बैठे हैं और उनका स्थान न्यूजीलैंड के प्रमुख बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने ले लिया है। हालांकि, कोहली का रेटिंग पॉइंट्स में इजाफा हुआ है, लेकिन मिचेल ने शानदार प्रदर्शन के कारण रैंकिंग में उनसे आगे निकल गए। मिचेल ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में तीन पारियों में 352 रन बनाए, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल था और उन्होंने सीरीज के प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब भी जीता। इसी शानदार प्रदर्शन के चलते उनके रेटिंग पॉइंट्स 784 से बढ़कर 845 हो गए, जिससे उन्होंने कोहली को पीछे छोड़ दिया। कोहली के रेटिंग पॉइंट्स 795 हैं। कोहली पिछले सप्ताह ही नंबर-एक बल्लेबाज बने थे। जुलाई 2021 के बाद उन्होंने यह स्थान हासिल किया था, लेकिन मिचेल का शानदार प्रदर्शन उनके पीछे आ गया और अब न्यूजीलैंड का यह बल्लेबाज आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पर बैठा है। अन्य भारतीय बल्लेबाजों की स्थिति भारत के दूसरे बड़े सितारे रोहित शर्मा इस रैंकिंग में चौथे स्थान पर हैं। रोहित ने न्यूजीलैंड सीरीज में तीन पारियों में सिर्फ 61 रन बनाए और अपनी शुरूआत को बड़े स्कोर में बदल नहीं पाए, जिससे उनका रैंकिंग में गिरावट आई। वहीं, केएल राहुल ने शानदार वापसी की है और वह टॉप-10 में वापस आ चुके हैं। राहुल ने पहले मैच में नाबाद मैच विजयी पारी खेली और दूसरे मैच में 112 रन का शानदार शतक भी लगाया था। हालांकि, निर्णायक तीसरे मैच में वह केवल एक रन बनाकर आउट हुए, लेकिन उनके प्रदर्शन को रैंकिंग में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। श्रेयस अय्यर भी नंबर-11 पर हैं, जबकि शुभमन गिल नंबर-पांच पर बने हुए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स ने सात विकेट से जीता मैच मुंबई ने लगाई हार की हैट्रिक

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स ने जेमिमा रॉड्रिग्स की कप्तानी पारी के दम पर गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को हरा दिया है। दिल्ली ने इस तरह प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा है। दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स के नाबाद अर्धशतक की मदद से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मुकाबले में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराया। मुंबई इंडियंस ने नताली सिवर ब्रंट के नाबाद अर्धशतक की बदौलत 20 ओवर में पांच विकेट पर 154 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने एक ओवर शेष रहते तीन विकेट पर 155 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। मुंबई इंडियंस की यह लगातार तीसरी हार है। अंक तालिका का हाल लगातार तीन मैच में हार के बावजूद मुंबई इंडियंस की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर मौजूद है। मुंबई के छह मैचों में दो जीत और चार हार के साथ चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर बरकरार है। वहीं, जीत की पटरी पर लौटने वाली दिल्ली कैपिटल्स को फायदा हुआ है और वह चौथे स्थान पर आ गई है। दिल्ली के पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ चार अंक हैं।

दिल्ली की अच्छी शुरूआत लक्ष्य का पीछा करते हुए शेफाली वर्मा और लिजेले ली ने दिल्ली को अच्छी शुरूआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों के बीच पहले विकेट के लिए 63 रनों की साझेदारी हुई। शेफाली और लिजेले की बीच साझेदारी और बड़ी होती उससे पहले ही डेब्यू मैच खेलने वाली वैष्णवी शर्मा ने उन्हें बोल्ड कर दिया। शेफाली 24 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुईं। लिजेले अर्धशतक लगाने की ओर बढ़ रही थीं, लेकिन संट्प आउट होकर पवेलियन लौट गईं। लिजेले 28 गेंदों पर सात चौकों और एक छक्के की मदद से 46 रन बनाकर आउट हुईं। जेमिमा की कप्तानी पारी इसके बाद लाउरा वोलवार्ट रन आउट हो गईं। वोलवार्ट ने 19 गेंदों पर 17 रन बनाए। हालांकि, कप्तान जेमिमा ने मोर्चा संभाला और 36 गेंदों पर अर्धशतक लगाया। तीन विकेट गिरने के बाद जेमिमा ने आक्रामक अंदाज में खेलना शुरू किया और टीम को छह गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। जेमिमा 37 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाकर नाबाद लौटीं, जबकि मारिजाने काप छह गेंदों पर एक छक्के की मदद से 10 रन बनाकर नाबाद रहीं। मुंबई के लिए अमनजोत कौर और वैष्णवी शर्मा को एक-एक विकेट मिले। खराब शुरूआत के बाद हरमनप्रीत-नताली ने मुंबई को संभाला पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस की शुरूआत अच्छी नहीं रही। नंदिनी शर्मा ने सजीवन संजना को बोल्ड कर मुंबई इंडियंस को पहला झटका दिया। नंदिनी नौ गेंदों पर एक चौका की मदद से नौ रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद मारिजाने काप ने हीली मैथ्यूज को बोल्ड किया जो 15 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 12 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। इसके बाद हालांकि, कप्तान हरमनप्रीत कौर ने नताली सिवर ब्रंट के साथ मिलकर टीम को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी हुई। हरमनप्रीत हालांकि, अर्धशतक लगाने से चूक गईं और श्री चरणी की गेंद पर आउट हुईं। हरमनप्रीत ने 33 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 41 रन बनाए। ब्रंट का पचासा हरमनप्रीत भले ही अर्धशतक लगाने से चूक गईं, लेकिन ब्रंट ने पचासा पूरा किया। ब्रंट एक छोर से टिकी रहीं और उन्होंने मुंबई की रन गति को बढ़ाए रखा। हालांकि, दूसरे छोर पर उन्हें ज्यादा साथ नहीं मिला।

भारत में टी20 विश्व कप खेलने पर बोले- मेरे लिए जवाब देना सुरक्षित नहीं

ढाका । टी20 विश्व कप 2026 के वेन्यू विवाद पर बांग्लादेश की भागीदारी अनिश्चित है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में मैच खेलने से सुरक्षा कारणों से इनकार करते हुए श्रीलंका शिफ्ट की मांग की है। आईसीसी अभी राजी नहीं है। बांग्लादेश प्रीमियर लीग के मैच के बाद लिटन दास ने सवाल पर कहा, 'इसका जवाब देना मेरे लिए सुरक्षित नहीं है', जिससे विवाद और गहरा गया है। टी20 विश्व कप 2026 में बांग्लादेश की भागीदारी पर लगातार बढ़ते विवाद के बीच टी20 टीम के कप्तान लिटन दास का हालिया बयान आग में घी का काम कर गया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (क्रुउ) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (इउइ) के बीच वेन्यू और सुरक्षा विवाद ने हालात को इतना उलझा दिया है कि टूर्नामेंट शुरू होने में कुछ दिन बाकी हैं, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि बांग्लादेश भारत जाकर खेलेगा या नहीं। बीसीबी-आईसीसी खींचतान से टीम असमंजस में बांग्लादेश बोर्ड ने आईसीसी से मांग की है कि टीम के मैच भारत से हटाकर श्रीलंका शिफ्ट किए जाएं। बोर्ड ने इसके पीछे सुरक्षा कारणों का हवाला दिया है। आईसीसी की तरफ से हालांकि इस मांग पर अभी तक सहमति नहीं मिली है और कई दौर की बैठकों के बाद भी निष्कर्ष नहीं निकला। इस गतिरोध ने पूरे बांग्लादेश को असमंजस में डाल दिया है। खिलाड़ियों से लेकर प्रशंसकों तक सभी को इंतजार है अंतिम फैसले का। बांग्लादेश प्रीमियर लीग के बाद लिटन दास ने तोड़ी चुप्पी मंगलवार को बांग्लादेश प्रीमियर लीग के मैच के बाद जब लिटन दास से पूछा गया कि क्या टूर्नामेंट की पिचें विश्व कप की तैयारी में मददगार हैं, तो कप्तान ने सवाल को समझते हुए स्पष्ट किया कि इस समय वह इस विषय पर बोलने की स्थिति में नहीं हैं। लिटन के हवाले से ह्यईएसपीएल क्रिकइन्फोह्न ने लिखा , 'अगर हमें पता होता कि विश्व कप में ग्रुप चरण में हमें किनसे खेलना है या किस देश में खेलना है तो काफी मदद मिलती। हमने टीम का एलान कर दिया है, लेकिन किसी खिलाड़ी को नहीं पता कि किस देश में या किसके खिलाफ खेलना है। मेरी तरह पूरे बांग्लादेश को इस बारे में कुछ नहीं पता है।' बांग्लादेश ने उसके मैच श्रीलंका में कराने की मांग की है। इस बारे में पूछने पर दास ने कहा, 'क्या आपको पक्का यकीन है कि हम विश्व कप खेल रहे हैं। विश्व कप में अभी समय है और हमें पता ही नहीं है कि हम जा रहे हैं या नहीं। मेरी तरफ से मैं अनिश्चित हूं, सब अनिश्चित हैं। मुझे लगता है इस समय पूरा बांग्लादेश अनिश्चित है। कोई जवाब नहीं दूंगा। मैं समझ रहा हूं आप क्या पूछने वाले हैं। यह जवाब देना मेरे लिए सुरक्षित नहीं है। कोई जवाब नहीं।' उन्होंने भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव पर किसी सवाल का जवाब नहीं दिया लेकिन कहा कि खिलाड़ी क्रिकेट बोर्ड के फैसले के साथ होंगे। इस बयान ने पूरे विवाद को खिलाड़ियों की सुरक्षा और स्थितियों पर केंद्रित कर दिया है। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फैंस यह सवाल उठा रहे हैं कि आखिर ऐसा कौन सा दबाव है जिसके कारण कप्तान खुलकर बात नहीं कर पा रहे। सरकारी स्तर पर भी भारत यात्रा का विरोध इससे पहले बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार असिफ नजरुल ने भी मीडिया में स्पष्ट रुख अपनाया था। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश किसी भी स्थिति में भारत जाकर विश्व कप नहीं खेलेगा, चाहे आईसीसी ने 21 जनवरी की डेडलाइन ही क्यों न दी हो। नजरुल ने कहा, 'मुझे इस बात की जानकारी नहीं है कि स्कॉटलैंड हमारी जगह शामिल होगा। अगर आईसीसी, भारतीय क्रिकेट बोर्ड के दबाव में आकर हम पर अव्यावहारिक शर्तें थोपने की कोशिश करता है, तो हम उन शर्तों को स्वीकार नहीं करेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'अतीत में भी उदाहरण हैं कि पाकिस्तान ने कहा था कि वह भारत नहीं जाएगा और आईसीसी ने वेन्यू बदल दिया था। हमने भी तार्किक आधार पर वेन्यू बदलने की मांग की है, और हमें अनुचित दबाव डालकर भारत में खेलने पर मजबूर नहीं किया जा सकता।

यूरोप में अभिषेक बच्चन की ईटीपीएल टी20 लीग में जुड़े दिग्गज फ्रेंचाइजी के मालिक बने स्टीव वॉ-मैक्सवेल

लंदन। यूरोपीय क्रिकेट को नया आकार देने के लिए बॉलीवुड स्टार अभिषेक बच्चन की यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग मैदान में उतर चुकी है। आईसीसी की मान्यता और नीदरलैंड, आयरलैंड व स्कॉटलैंड के समर्थन वाली इस लीग में स्टीव वॉ, ग्लेन मैक्सवेल और जैमी ड्वायेर जैसे दिग्गज फ्रेंचाइजी मालिक के रूप में जुड़े हैं। वॉ के अनुसार यह यूरोप में क्रिकेट के विस्तार का बड़ा अवसर है और उनके लिए व्यक्तिगत चुनौती भी। यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (एळ्ढछ) बुधवार को तब चर्चा में आई जब इसमें फ्रेंचाइजी मालिकों के रूप में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट महान स्टीव वॉ, हार्ड-हिटर ग्लेन मैक्सवेल और हॉकी सुपरस्टार जैमी ड्वायेर के नाम सामने आए। बॉलीवुड स्टार अभिषेक बच्चन द्वारा शुरू की गई इस लीग को आईसीसी से मान्यता प्राप्त है और इसे स्कॉटलैंड, नीदरलैंड और आयरलैंड के क्रिकेट बोर्डों का समर्थन भी हासिल है। लीग पिछले साल लॉन्च हुई थी, लेकिन छह टीमों वाला 34 मैचों का टूर्नामेंट इस वर्ष आयोजित किया जाएगा। पहली तीन फ्रेंचाइजियों- एम्सटर्डम, एडिनबर्ग और बेलफास्ट के मालिकों की घोषणा की जा चुकी है। कौन संभालेगा कौन सी टीम? एम्सटर्डम फ्रेंचाइजी पर नेतृत्व स्टीव वॉ और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हॉकी कप्तान जैमी ड्वायेर का होगा। एडिनबर्ग की मालिकाना हक न्यूजीलैंड के पूर्व इंटरनेशनल नाथन मैकुलम और काइल मिल्स के हाथों में होगा। वहीं बेलफास्ट टीम ग्लेन मैक्सवेल और एनआरएमए के पूर्व ग्रुप सीईओ रोहन लुंड के स्वामित्व में होगी। स्टीव वॉ ने इस मौके पर कहा, 'मैं काफी सोचकर चुनता हूं कि क्रिकेट में अपना समय और ऊर्जा कहां लगानी है। यह मौका खास है क्योंकि इसमें दूरदर्शी सोच है।' यूरोप के लिए क्रिकेट का नया फ्रंटियर स्टीव वॉ ने कहा कि उनके लिए यह निर्णय रणनीतिक और भावनात्मक दोनों है। वॉ ने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'मेरे लिए, यूरोप क्रिकेट का आखिरी मोर्चा है और इसीलिए मैं इसमें शामिल हूं।' उन्होंने आगे जोड़ा, 'मैं पारंपरिक क्रिकेट के रास्ते पर नहीं गया। मैं अपने उद्यमों पर ध्यान देता रहा हूं। यह मेरे लिए एक बड़ी चुनौती है और क्रिकेट में वापसी का सही कारण भी।' वॉ पहले भी मेंटोर रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि ईटीपीएल एक अलग तरह का अवसर है जो क्रिकेट को महाद्वीप में नई जमीन देगा। उन्होंने कहा, 'यह यूरोप में क्रिकेट के लिए एक नया मोर्चा है... नयी प्रतिभा ढूंढना और खेल का विस्तार करना सबसे रोमांचक है।

मनोरंजन

महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ी, मेदांता में भर्ती

लखनऊ (संवाददाता)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की स्वास्थ्य स्थिति अचानक बिगड़ गई है।उन्होंने पिछले 36 घंटों से कुछ भी नहीं खाया, जिससे उनकी तबीयत लगातार डिटेरियोट होती गई।उन्हें उल्टी और दस्त की समस्या बनी रही।तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही श्रीराम अस्पताल के सेवानिवृत्त चिकित्सक डॉ. एसके पाठक ने उनका चेकअप किया। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उनकी स्थिति को गंभीर मानते हुए बेहतर उपचार की सलाह दी। इसके बाद महंत नृत्य गोपाल दास को लखनऊ के मेदांता अस्पताल में रेफर किया गया। उनके उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास उन्हें लेकर लखनऊ के लिए रवाना हो गए हैं।मेदांता अस्पताल पहुंचने के बाद विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनकी विस्तृत जांच और इलाज करेगी। चिकित्सकों का मानना है कि चिकित्सकीय निगरानी में रखना आवश्यक है। महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत खराब होने की खबर से संत समाज, रामभक्तों और श्रद्धालुओं में चिंता का माहौल है। उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की जा रही है और देशभर में प्रार्थनाएं की जा रही हैं। ट्रस्ट प्रशासन भी उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

भूमि पेडनेकर की सीरीज 'दलदल' का ट्रेलर जारी

सीरियल किलर के छक्के छुड़ाएंगी डीसीपी रीटा फरेरा

प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'दलदल' का ट्रेलर कुछ ही देर पहले रिलीज हुआ है। इसमें भूमि पेडनेकर पुलिस अफसर के किरदार में सीरियल किलर को पकड़ेंगीं। क्राइम थ्रिलर सीरीज दलदल' का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। मुंबई शहर की पृष्ठभूमि पर बनी 'दलदल' की कहानी डीसीपी रीटा फरेरा (भूमि) के इर्द-गिर्द घूमती है। वह एक खतरनाक जांच पर निकलती हैं, जहां उन्हें एक बेरहम सीरियल किलर को पकड़ना होता है। 'दलदल' का ट्रेलर ट्रेलर में डीसीपी रीटा फरेरा (भूमि) की खौफनाक दुनिया का सफर दिखाया गया है, जिसे भूमि सतिश पेडनेकर ने बेहद सशक्त अंदाज में निभाया है। ट्रेलर में क्रूर और सोचे-समझे किए गए हत्याकांड सामने आते हैं, जो एक कातिल की घिनौनी सोच को दिखाता हैं। जैसे-जैसे लाशों की संख्या बढ़ती जाती है, रीटा इस अंधेरी और डरावनी जांच में खुद को और गहराई तक फंसा हुआ पाती है। कब और कहां रिलीज होगी 'दलदल' विश धामिजा की बेस्टसेलिंग किताब 'भेंडी बाजार' पर 'दलदल' आधारित है। इस सीरीज को अमृत राज गुप्ता ने निर्देशित किया है। विक्रम मल्होत्रा और सुरेश त्रिवेणी ने इसका निर्माण किया है। इसे श्रीकांत अग्निस्वरन, रोहन डिसूजा और प्रिया सग्गी ने लिखा है। भूमि सतिश पेडनेकर के साथ इस सीरीज में समारा तिजोरी और आदित्य रावल भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'दलदल' का प्रीमियर 30 जनवरी को प्राइम वीडियो पर किया जाएगा

आमिर खान ने बताया किस तरह का प्यार उन्हें पसंद है, एक दिन को बताया बिल्कुल वैसा

इंडस्ट्री के बड़े एंटरटेनमेंट बैनर्स में से एक आमिर खान प्रोडक्शंस बड़े पर्दे पर एक खूबसूरत लव स्टोरी एक दिन लेकर आ रहा है। इस फिल्म में जुनैद खान के साथ साई पल्लवी नजर आएंगी, जो इस प्रोजेक्ट के जरिए अपना सबसे ज्यादा इंतेजार किया जाने वाला हिंदी फिल्म डेब्यू कर रही हैं। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का टीजर रिलीज किया है, जो दिल को छू लेने वाले एहसास जैसा लगता है और प्यार व रोमांस से भरी एक प्यारी, जादुई कहानी की झलक दिखाता है। टीजर में साई पल्लवी और जुनैद खान की प्यारी केमिस्ट्री बेहद खूबसूरती से नजर आती है।

साई पल्लवी जहां बिना किसी बनावट के बेहद खूबसूरत लगती हैं, वहीं जुनैद खान एक क्यूट और थोड़े-से ऑकवर्ड लवर बॉय के तौर पर दिल जीतते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में आमिर खान ने एक दिन और इसके जॉनर पर बात करते हुए कहा कि उन्हें सॉफ्ट और रोमांटिक फिल्में पसंद हैं, और यह फिल्म बिल्कुल वैसी ही है। एक दिन के बारे में बात करते हुए आमिर ने कहा, ये एक प्योर रोमांटिक फिल्म है, बिल्कुल क्लासिक रोमांस वाली। बतौर ऑडियंस मुझे ऐसी सॉफ्ट और मशी रोमांटिक फिल्में बहुत पसंद हैं। मुझे ऐसे प्यार की कहानियां पसंद हैं, जो थोड़ी जादुई हों, और ये फिल्म भी वैसी ही एक क्लासिक, हल्की-सी मैजिकल लव स्टोरी है। आमिर ने लीड कास्ट की परफॉर्मेंस पर भी बात की और कहा,जब मैंने पहली बार इसकी स्क्रिप्ट सुनी थी, तभी मुझे यह बहुत पसंद आ गई थी। मुझे खुशी है कि हमने साई को कास्ट किया, वह वाकई एक बेहतरीन एक्टर हैं और उन्होंने कमाल का काम किया है। जुनैद ने भी बहुत अच्छा किया है। वो मेरा बेटा है, इसलिए उस पर ज्यादा कुछ कहना नहीं चाहूंगा, लेकिन दोनों की परफॉर्मेंस शानदार है। डायरेक्टर ने फिल्म को बहुत खूबसूरती से बनाया है और हम 1 मई को इसके रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं। एक दिन के साथ आमिर खान लंबे समय बाद फिल्ममेकर मंसूर खान के साथ फिर से काम कर रहे हैं, और यही बात फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट बढ़ा रही है। यह वही जोड़ी है जिसने कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, अकेले हम अकेले तुम और जाने तू३ या जाने ना जैसी यादगार फिल्में दी हैं। अब एक बार फिर दोनों एक दिन के लिए साथ आए हैं, जो एक खूबसूरत, थोड़ी जादुई लव स्टोरी बताई जा रही है। नॉस्टैल्जिया और नए इमोशंस के इस मेल ने फिल्म को पहले से ही मोस्ट अवेटेड बना दिया है, और दर्शक बेसब्री से इसके रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी एक दिन में साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है, जबकि इसे आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। एक दिन 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

एक्सीडेंट में घायल हुए ऑटो चालक के संपर्क में अक्षय कुमार की टीम

ट्रीटमेंट की उठाई पूरी जिम्मेदारी

अक्षय कुमार के काफिले की एक कार 19 जनवरी की रात मुंबई के जुहू इलाके में सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई थी। स्पीड से आ रही एक मर्सिडीज कार ने ऑटो रिक्शा टक्कर मारी, जिसके बाद ऑटो रिक्शा अनियंत्रित होकर अक्षय के काफिले की कार से जा टकराया। इस हादसे में ऑटो ड्राइवर का रिक्शा बुरी तरह कुचल गया और उसे भी गंभीर चोटें आईं। इसके अलावा मुंबई पुलिस ने लापरवाही से कार चलाने वाले ड्राइवर

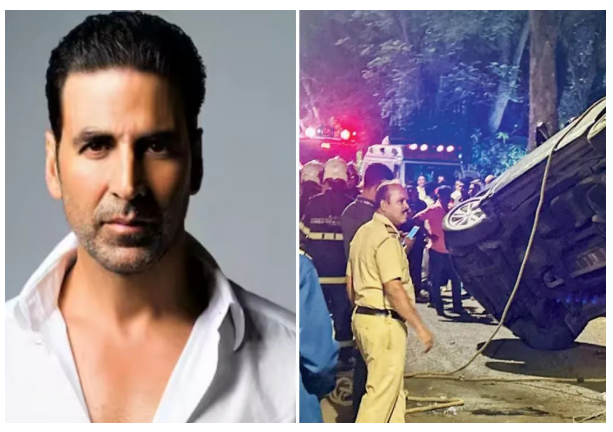

को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें, जैसे ही इस हादसे में ऑटो ड्राइवर घायल हुआ तो अक्षय कुमार ने खुद गाड़ी से निकलकर उसे अस्पताल पहुंचाने में मदद की थी। एक्टर ने ड्राइवर को अस्पताल पहुंचवाने तक ही अक्षय ने जिम्मेदारी नहीं निभाई, बल्कि उसके इलाज को लेकर लगातार उनकी टीम परिवार से संपर्क में है। वहीं, ऑटो चालक वाशिद खान के भाई मीडिया से बातचीत में बताया कि एक्सीडेंट की वजह से उनके भाई की जॉ लाइन फ्रैक्चर हो गई है, जिसकी सर्जरी चल रही है। उन्होंने पूरी घटना के बारे में बताया, ष्मेरा भाई सुबह अपना ऑटो लेकर निकला था और पैसेंजर को छोड़ने जुहू एरिया गया था। वह ड्राइव कर रहा था, जब एक बड़ी गाड़ी ने उसे पीछे से टक्कर मारी और पूरा ऑटो क्षतिग्रस्त हो गया। वाशिद के भाई ने आगे कहा, वहां के लोकल निवासियों ने मेरे भाई को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर्स ने बोला है कि सर्जरी करवाना जरूरी है। वह माता-पिता के साथ ही रहता है। इस दौरान उन्होंने ये भी बताया कि अक्षय कुमार की टीम लगातार उनके मेडिकल खर्चे और भाई की हेल्थ को लेकर अपडेट ले रही है।

ओ रोमियो के ट्रेलर लॉन्च से पहले ही इवेंट छोड़कर चले गए नाना पाटेकर

निर्देशक विशाल भारद्वाज ने बताई क्या थी

शाहिद कपूर और विशाल भारद्वाज की मच अवेटेड फिल्म ओ रोमियो का ट्रेलर आज रिलीज किया गया। ट्रेलर लॉन्च इवेंट मुंबई में आयोजित किया गया, जिसमें निमार्ता-निर्देशक समेत फिल्म की मुख्य कास्ट भी नजर आई। इसमें शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी इस इवेंट में पहुंचें। फिल्म के प्रमुख अभिनेता नाना पाटेकर भी इस इवेंट में पहुंचे। लेकिन नाना पाटेकर ट्रेलर लॉन्च इवेंट से बीच में ही चले गए। नाना ट्रेलर लॉन्च होने से पहले ही इवेंट से वापस भी लौट गए। आखिर क्यों इवेंट में बीच से ही चले गए नाना पाटेकर? अब निर्देशक विशाल भारद्वाज ने बताई इसके पीछे की असली वजह। शाहिद-तृप्ति का डेढ़ घंटे इंतजार करने के बाद वापस लौटे नाना सोशल मीडिया पर ऐसा दावा किया जा रहा है कि नाना पाटेकर मुंबई में हुए फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंचे थे। लेकिन नाना ट्रेलर लॉन्च होने से पहले ही इवेंट से वापस भी चले गए। सोशल मीडिया पर ऐसा दावा किया गया कि नाना इवेंट में समय से पहुंच गए थे। लेकिन शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी इवेंट में काफी लेट पहुंचे। इसलिए नाना पाटेकर तकरीबन एक से डेढ़ घंटे तक इंतजार करने के बाद, इवेंट से बीच से ही लौट गए। यानी शाहिद और तृप्ति का डेढ़ घंटे इंतजार करने के बाद अंततः नाना पाटेकर कार्यक्रम को बीच में ही छोड़कर चले गए। यही नहीं जब स्टेज पर कास्ट का नाम बुलाया गया तो शाहिद, तृप्ति और अविनाश तिवारी के बाद इवेंट के होस्ट ने नाना पाटेकर का भी नाम बुलाया। लेकिन बाद में बताया गया कि नाना पाटेकर वहां हैं ही नहीं। इसीलिए जब ओ रोमियो का ट्रेलर लॉन्च किया गया, उस वक्त नाना पाटेकर स्टेज पर मौजूद नहीं थे। विशाल भारद्वाज ने बताया क्यों गए नाना हालांकि, ट्रेलर लॉन्च इवेंट के समय मीडिया से बातचीत के दौरान निर्देशक विशाल भारद्वाज ने खुद बताया कि नाना पाटेकर कार्यक्रम में बीच से ही चले गए हैं। उन्होंने कहा कि नाना वो बच्चा हैं जो शैतानी करता रहता है। नाना ने कहा कि तुम लोगों ने हमें एक घंटे इंतजार करवाया, इसलिए मैं जा रहा हूं। हालांकि, हमें कुछ भी बुरा नहीं लगा। हमारी 27 साल की दोस्ती है और नाना की ये ही आदतें उन्हें नाना पाटेकर बनाती हैं और बाकियों से अलग करती हैं। विशाल भारद्वाज के साथ नाना ने दिए पोज इस बीच सोशल मीडिया पर कई वीडियो हैं, जिनमें नाना पाटेकर ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंचते नजर आए हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के वीडियो और तस्वीरों में नाना पाटेकर फोटोग्राफरों के सामने पोज भी देते हैं। इस दौरान नाना फिल्म के निर्देशक विशाल भारद्वाज के साथ भी पोज देते हैं। दिग्गज अभिनेता इस इवेंट में अपने सिग्नेचर कुर्ता-पायजामा सेट में थे। हालांकि, उन्हें शाहिद कपूर या तृप्ति डिमरी के साथ किसी भी फोटो या वीडियो में नहीं देखा गया है। वहीं ट्रेलर लॉन्च के वक्त भी नाना पाटेकर स्टेज पर फिल्म की कास्ट और निमार्ता-निर्देशक के साथ मौजूद नहीं थे। हालांकि, नाना पाटेकर ने ट्रेलर रिलीज होते ही उसे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर कर दिया।

ये 2030 तक हो सकता..कॉमेडियन जाकिर खान ने किया लंबे ब्रेक का ऐलान, फैसले के पीछे वजह का भी किया खुलासा

स्टैंडअप कॉमेडी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुके जाकिर खान ने हाल ही में एक ऐलान करके अपने फैंस को हैरान कर दिया है। जाकिर ने घोषणा की कि वह जल्द ही एक लंबा ब्रेक लेने जा रहे हैं। इस बात की जानकारी उन्होंने हैदराबाद में हुए अपने लाइव शो के दौरान दी, जो उनके चर्चित पापा यार टूर का हिस्सा था। शो के दौरान दिया गया उनका यह बयान सोशल मीडिया पर

तेजी से वायरल हो रहा है। हैदराबाद में परफॉर्म करते हुए जाकिर खान ने मंच से कहा-मैं बहुत लंबे ब्रेक पर जा रहा हूं। ये ब्रेक 2030 तक हो सकता है। ये ब्रेक तीन-चार या पांच साल का हो सकता है। मैं ये ब्रेक अपनी सेहत का ख्याल रखने के लिए और बाकी चीजों को ठीक करने के लिए ले रहा हूं। आज यहां जो कोई भी मौजूद है वो मेरे दिल के बहुत करीब है। आपकी मौजूदगी मेरे लिए बहुत ज्यादा मायने रखती है। मैं हमेशा आपका शुक्रगुजार रहूंगा। शो के बाद जाकिर खान ने इंस्टाग्राम के जरिए भी अपने आगे के प्लान साझा किए। उन्होंने कहा कि 20 जून तक के सभी शो उनके लिए एक सेलिब्रेशन होंगे। उन्होंने फैंस से अपील की कि वे इन आने वाले परफॉर्मेंस का हिस्सा बनें। साथ ही यह भी साफ किया कि इस बार वह ज्यादा शहरों में टूर नहीं करेंगे और उनका टूर सीमित रहेगा। यह पहली बार नहीं है जब जाकिर खान ने अपनी सेहत को लेकर खुलकर बात की हो। इससे पहले भी वह बता चुके हैं कि लगातार टूर करने से उनकी तबीयत पर बुरा असर पड़ा है। पिछले साल सितंबर में शेयर किए गए एक पोस्ट में उन्होंने लिखा था कि करीब दस सालों तक बिना रुके शो करना, सुबह-सुबह फ्लाइट पकड़ना, रातों की नींद पूरी न होना और समय पर खाना न मिल पाना उनकी हेल्थ के लिए नुकसानदेह साबित हुआ है। अब जाकिर खान ने तय कर लिया है कि वह अपनी सेहत को सबसे ऊपर रखेंगे। इसी वजह से उन्होंने लंबे ब्रेक का फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि डॉक्टरों ने भी उन्हें पूरी तरह रिकवरी के लिए आराम की सलाह दी है।

बयान को लेकर विवादों में घिरे ए आर रहमान को अनूप जलोटा ने दी हिंदू बनने की सलाह, कहा-धर्म परिवर्तन हो जाने के बाद..

बॉलीवुड के जाने माने संगीतकार ए आर रहमान पिछले कुछ दिनों से अपने एक बयान को लेकर खूब ट्रोल हो रहे हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि मुस्लिम होने की वजह से उन्हें कम्यूनल डिस्क्रिमिनेशन झेलना पड़ा है और उन्हें काम नहीं मिल रहा। इस बयान के बाद आम लोगों से लेकर सेलेब्स तक उनके स्टेटमेंट की आलोचना की। वहीं, अब भजन सिंगर अनूप जलोटा ने भी एआर रहमान की टिप्पणी को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अनूप जलोटा ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह कह रहे हैं- म्यूजिक डायरेक्टर एआर रहमान पहले हिंदू थे। उसके बाद उन्होंने इस्लाम धर्म अपना लिया और बहुत काम किया, बहुत नाम कमाया, लोगों के दिलों में बहुत अच्छी जगह बनाई। लेकिन अगर उन्हें इस बात का विश्वास है कि हमारे देश में मुस्लिम होने की वजह से उनको फिल्म नहीं मिल रही है संगीत देने के लिए, तो फिर वो दोबारा हिंदू हो जाएंगे। तो उनको ये विश्वास होना चाहिए कि हिंदू होने के बाद, धर्म परिवर्तन हो जाने के बाद, उनको फिर से फिल्में मिलनी शुरू हो जाएंगी। यही तो उनका मतलब है। तो मेरी सलाह है कि वो हिंदू हो जाएं और फिर कोशिश करें कि उनको दोबारा फिल्में मिलती हैं या नहीं। अब अनूप जलोटा का ये वीडियो भी वायरल हो रहा है और लोग इस पर खूब रिएक्ट करते दिख रहे हैं। दरअसल, बीते दिनों एआर रहमान से पूछा गया था कि क्या आपको एक तमिल म्यूजिक कंपोजर होने के नाते आपको बॉलीवुड में कभी भेदभाव झेलना पड़ा। इस पर उन्होंने कहा था- शायद मुझे इसके बारे में कभी पता ही नहीं चला, शायद भगवान ने इसे छुपा रखा था, लेकिन मुझे इसका जरा भी एहसास नहीं हुआ। पिछले आठ सालों में शायद सत्ता परिवर्तन हुआ है और अब सत्ता उन लोगों के हाथ में है जो रचनात्मक नहीं हैं। यह सांप्रदायिक मुद्दा भी हो सकता है। लेकिन यह मेरे सामने जाहिर नहीं है। इस बयान के बाद एआर रहमान को खूब ट्रोल किया गया, जिसके बाद उन्होंने माफी भी मांगी थी और कहा था-संगीत हमेशा से हमारी संस्कृति से जुड़ने, उसका जश्न मनाने और उसका सम्मान करने का मेरा जरिया रहा है। भारत मेरी प्रेरणा, मेरा गुरु और मेरा घर है। मैं समझता हूं कि कभी-कभी इरादों को गलत समझा जा सकता है। लेकिन मेरा उद्देश्य हमेशा संगीत के माध्यम से उत्थान, सम्मान और सेवा करना रहा है।

राजभवन अब कहलायेगा जन भवन, यूपी में राज्यपाल के आधिकारिक आवास का नाम परिवर्तन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के आधिकारिक आवास राजभवन का नाम परिवर्तित कर जन भवन किया गया है। आज यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार श्गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली द्वारा राज्यपाल के आधिकारिक आवासों के नामकरण के मानकीकरण के संबंध में निर्गत निदेर्शों के अनुपालन में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के आधिकारिक आवास का नाम परिवर्तन किया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार पूर्व में राज भवन के नाम से ज्ञात राज्यपाल के आधिकारिक आवास को अब जन भवन नाम दिया गया है। इस निर्देश के क्रम में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल का आधिकारिक आवास तत्काल प्रभाव से समस्त शासकीय एवं वैधानिक प्रयोजनों के लिए श्श्जन भवनश्श के नाम से अभिहित एवं संबोधित किया जाएगा। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के आधिकारिक आवास का नाम बदलकर श्जन भवनश्श कर दिया गया है जिसे पहले राज भवन के नाम से जाना जाता था। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के कार्यालय से बुधवार को जारी एक बयान से यह जानकारी मिली। बयान में कहा गया है कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली द्वारा राज्यपाल के आधिकारिक आवासों के नामकरण के मानकीकरण के संबंध में निर्गत निदेर्शों के अनुपालन में, उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के आधिकारिक आवास का नाम परिवर्तित किया गया है। इसमें कहा गया है कि पूर्व में राज भवन के नाम से ज्ञात राज्यपाल के आधिकारिक आवास को अब श्जन भवनश्श नाम दिया गया है।

'महिलाओं को मिले पत्नी का दर्जा'

लिव-इन मामलों पर मद्रास हाईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

मदुरै (एजेंसी)। न्यायमूर्ति श्रीमथी ने स्पष्ट किया कि जो पुरुष आधुनिकता के नाम पर महिलाओं का फायदा उठाते हैं और शादी के वादे से मुकर जाते हैं, वे कानून से नहीं बच सकते। उन्होंने कहा कि यदि शादी संभव नहीं है, तो ऐसे मामलों में पुरुषों को कानून का सामना करना ही होगा और इस संदर्भ में बीएनएस की धारा 69 महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक अहम प्रावधान है। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की कि गंधर्व विवाह की प्राचीन अवधारणा के तहत लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली महिलाओं को पत्नी का दर्जा दिया जाना चाहिए। हाईकोर्ट ने साथ ही यह भी टिप्पणी की कि इससे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि आधुनिक सामाजिक ढांचे में कमजोर महिलाओं की रक्षा करना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है, क्योंकि लिव-इन संबंधों में उन्हें वैसी कानूनी सुरक्षा नहीं मिलती जैसी विवाहित महिलाओं को प्राप्त होती है। गंधर्व विवाह का जिक्र कर की बड़ी टिप्पणी तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के मनप्पराई महिला पुलिस स्टेशन द्वारा गिरफ्तार किए गए एक व्यक्ति की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए पीठ ने ये टिप्पणियां कीं। शख्स पर आरोप था कि उसने शादी का झूठा वादा कर महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में वादे से मुकर गया। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक अदालत ने कहा, 'लिव-इन रिलेशनशिप में महिलाओं को गंधर्व विवाह या प्रेम विवाह के तहत पत्नी का दर्जा देकर संरक्षण दिया जाना चाहिए। जिससे ऐसे संबंधों में अस्थिरता होने की स्थिति में भी उन्हें पत्नी के रूप में अधिकार मिल सकें।' क्या है मामला? अभियोजन पक्ष के अनुसार आरोपी व्यक्ति लिव-इन रिलेशनशिप में रहते हुए महिला का शोषण करता रहा। इस दौरान वह शादी का आश्वासन देता रहा, लेकिन बाद में उसने शादी से इनकार कर दिया। मामले में गिरफ्तारी के बाद आरोपी ने अग्रिम जमानत की मांग की। याचिका खारिज करते हुए अदालत ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (इटर) की धारा 69 के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता हुआ माना। यह धारा धोखे या शादी के झूठे वादे पर आधारित यौन संबंधों को आपराधिक कृत्य मानती है। कानूनी दांव-पेंचों के दुरुपयोग पर सख्त टिप्पणी न्यायमूर्ति एस. श्रीमथी ने कहा कि आधुनिकता के नाम पर कई पुरुष इस कानूनी दांव-पेंच का फायदा उठाते हैं। जब संबंध बिगड़ते हैं तो महिला के चरित्र पर सवाल खड़े कर देते हैं। उन्होंने कहा कि पुरुष खुद को आधुनिक बताते हैं, लेकिन संबंध टूटते ही महिलाओं को बदनाम करने लगते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि भारत में भले ही लिव-इन रिलेशनशिप को अभी भी सांस्कृतिक रूप से झटके के तौर पर देखा जाता हो, लेकिन यह समाज में आम हो चुका है।

नासिक में सेना ने दिखाई आर्टिलरी की ताकत, के-9 वज्र और पिनाका समेत कई हथियारों ने दिखाया दम

नासिक (एजेंसी)। भारतीय सेना ने नासिक में अपने सालाना अभ्यास सैन्य अभ्यास 'तोपची' में जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन किया। इसमें के-9 वज्र, एम-777 होवित्जर और पिनाका रॉकेट सिस्टम ने दम लगाए। पहली बार बीएसएफ और नौसेना भी इसमें शामिल हुए। महाराष्ट्र के नासिक जिले में बुधवार को भारतीय सेना की रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी के सालाना सैन्य अभ्यास 'तोपची' का आयोजन किया। इस दौरान सेना ने देवलाली फील्ड फायरिंग रेंज में अपनी गोला-बारूद की ताकत दिखाई। यहां के-9 वज्र और एम-777 अल्ट्रा लाइट होवित्जर जैसी तोपों ने आग उगली। कार्यक्रम में स्वदेशी रूप से निर्मित आर्टिलरी सिस्टम सहित कई अन्य शैन्य हथियार ने अपनी ताकत दिखाई। आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन इस कार्यक्रम में तोपों, मोर्टार, रॉकेट, ड्रोन और विमानन तकनीकों का बेहतरीन

तालमेल देखने को मिला। यहां के-9 वज्र, एम-777, बोफोर्स, धनुष, इंडियन फील्ड गन, लाइट फील्ड गन और पिनाका मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर ने अपनी मारक क्षमता से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कमेंट्री में बताया गया कि इनमें से कई हथियारों का इस्तेमाल 'ऑपरेशन सिंदूर' में हो चुका है। पहली बार बीएसएफ और नौसेना शामिल इस साल का आयोजन इसलिए भी खास था क्योंकि पहली बार सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और भारतीय नौसेना के जवानों ने भी इसमें हिस्सा लिया। इसके अलावा, पैराशूट रेजिमेंट के जवानों ने पैरामीटर और हैंग-ग्लाइडर के साथ अभ्यास के दौरान अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। आत्मनिर्भरता और तैयारी का सबूत कार्यक्रम का आयोजन लेफ्टिनेंट जनरल नवनीत सिंह सरना, कमांडेंट, स्कूल ऑफ आर्टिलरी और रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी के कर्नल कमांडेंट के नेतृत्व में किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल मनीष एरी थे। जनरल सरना ने कहा, यह अभ्यास भारतीय आर्टिलरी की काबिलियत और शानदार काम का सबूत है।

अमेरिकी वर्चस्व खत्म हो रहा, वैश्विक व्यवस्था पर गंभीर संकट

कनाडा के पीएम ने दुनिया को चेताया

दावोस (एजेंसी)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में दुनिया की मौजूदा व्यवस्था के खत्म होने की बात कही। उन्होंने बिना अमेरिका का नाम लिए अमेरिका पर निशाना साधा और परोक्ष शब्दों में कहा कि अब दुनिया में अमेरिका का वर्चस्व खत्म हो रहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक धमाकेदार बयान दिया है। उन्होंने दावोस में कहा कि दुनिया की मौजूदा व्यवस्था संकट में है और अमेरिकी वर्चस्व खत्म हो रहा है। दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मंच से दिए अपने बयान में कनाडा के प्रधानमंत्री ने अमेरिका के वर्चस्व को चुनौती देते हुए ग्रीनलैंड मुद्दे पर डेनमार्क का समर्थन किया। हालांकि कनाडा के पीएम ने डोनाल्ड ट्रंप के नाम का जिक्र नहीं किया, लेकिन उन्होंने अपनी टिप्पणियों में अमेरिका पर जमकर निशाना साधा। कनाडा के प्रधानमंत्री से पहले जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक वाल्टर स्टीमर भी ऐसा बयान दे चुके हैं। उन्होंने कहा था कि अमेरिका, वैश्विक व्यवस्था को खत्म कर रहा है। स्टीमर ने कहा कि दुनिया अब लुटेरों के एक गिरोह के रूप में बदल रही है, जहां देशों से ऐसे व्यवहार किया जा रहा है, जैसे वे कुछ ताकतवर देशों की संपत्ति हों। मार्क कार्नी ने दुनिया को चेताया मार्क कार्नी ने कहा, 'ताकतवर देश उन्हें माना जाता है, जिनके पास संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट है जैसे चीन, अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन

और रूस। इन देशों का दुनिया पर आर्थिक और सैन्य दबदबा है।' 'मध्य ताकत वाले देश जैसे कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, दक्षिण कोरिया और ब्राजील का भी दुनिया की राजनीति में बड़ा असर रखते हैं।' कार्नी ने कहा कि दुनिया की मौजूदा व्यवस्था बदलाव के दौर से नहीं गुजर रही है, बल्कि पूरी व्यवस्था ही संकट में है। ऐसे में मध्य ताकत वाले देशों को एकजुट होना चाहिए। कार्नी ने कहा 'अगर हम बातचीत की मेज पर नहीं आएंगे तो जल्द ही हमें बड़ी ताकतें खा जाएंगी।' कार्नी ने कहा कि मौजूदा वैश्विक व्यवस्था पर अमेरिका की पकड़ थी, लेकिन ट्रंप प्रशासन में अमेरिका द्वारा तानाशाही की जा रही है, जिसके चलते वैश्विक व्यवस्था संकट में है। उन्होंने कहा कनाडा जैसे देश पहले से जानते थे कि अंतरराष्ट्रीय नियम आधारित व्यवस्था का विचार सिर्फ काल्पनिक है। अमेरिका-कनाडा के संबंध खराब दौर में गौरतलब है कि अमेरिका और कनाडा के संबंध भी इन दिनों अच्छे दौर से नहीं गुजर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही है। साथ ही कनाडा से होने वाले आयात पर भारी टैरिफ लगा दिया है। इसके चलते कनाडा, जो पारंपरिक तौर पर अमेरिका का करीबी सहयोगी रहा है, वहां राष्ट्रवाद का उदय और अमेरिका के प्रति नाराजगी देखी जा रही है। बीते दिनों कनाडा के पीएम ने चीन का दौरा किया था, जिसे भी कनाडा द्वारा अमेरिका से दूरी और चीन से नजदीकी बढ़ाने के तौर पर देखा जा रहा है। ग्रीनलैंड पर यूरोप से भिड़े ट्रंप वैश्विक व्यवस्था की बात करें तो ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर भारी-भरकम टैरिफ लगा दिए हैं और ग्रीनलैंड के मुद्दे पर यूरोप पर भी टैरिफ लगाने की बात कही है। इसे लेकर यूरोप में नाराजगी है और यूरोपीय देशों ने अमेरिका को ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर चेताया है। फ्रांस ने तो साफ कह दिया है कि यूरोप की संप्रभुता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इसके बाद ट्रंप ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति के खिलाफ भी तीखी टिप्पणी की है। अब कनाडा ने भी ग्रीनलैंड पर डेनमार्क के समर्थन की बात कह दी है। यही वजह है कि नाटो के कमजोर होने की आशंका जाहिर की जा रही है।

दक्षिण कोरिया के पूर्व पीएम को 23 साल की सजा, अदालत ने मार्शल लॉ लगाने को करार दिया विद्रोह

सियोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया में 2024 में पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल ने मार्शल लॉ लागू किया था। पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ विद्रोह सहित कई मामलों में सुनवाई जारी है। इस वक्त वे जेल में बंद हैं। अदालत की ओर से पूर्व पीएम हान को 23 साल की सजा को इन मामलों में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। दक्षिण

कोरिया की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल की ओर से देश में मार्शल लॉ लगाने को संविधान के खिलाफ विद्रोह करार दिया। इसी के साथ अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति के करीबी सहयोगी और पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू को 23 साल की सजा सुनाई। यह फैसला यून प्रशासन से जुड़े विद्रोह के मामलों में पहला बड़ा दोषसिद्धि फैसला माना जा रहा है। सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने बुधवार को दिए गए फैसले में कहा कि यून सुक-योल का मार्शल लॉ आदेश एक तरह का 'खुद का तख्तापलट' था, जिसका मकसद संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करना था। अदालत ने संसद और चुनाव कार्यालयों में सेना व पुलिस की तैनाती को गंभीर अस्थिरता फैलाने वाला कदम बताया। हान डक-सू को क्यों मिली सजा? अदालत के अनुसार, तत्कालीन प्रधानमंत्री हान डक-सू ने मंत्री परिषद की बैठक के जरिए मार्शल लॉ आदेश को प्रक्रियात्मक वैधता देने की कोशिश की और इस तरह विद्रोह में अहम भूमिका निभाई। अदालत के फैसले में कहा गया कि हान ने संविधान की रक्षा करने के अपने कर्तव्य की अनदेखी की और यह मानते हुए विद्रोह का हिस्सा बने कि यह सफल हो सकता है। अदालत ने चेतावनी दी कि ऐसे कृत्यों से देश एक बार फिर उस दौर में लौट सकता था, जहां नागरिक अधिकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कुचला जाता है।

कार्यवाहक पीएम सुशीला कार्की की सरकार से चार मंत्रियों का इस्तीफा, लड़ेंगे आम चुनाव

काठमांडो (एजेंसी)। नेपाल में यह चुनाव राजनीतिक अस्थिरता और पूर्व प्रधानमंत्री के इस्तीफे के बाद कराए जा रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया में बड़ी संख्या में मतदाता हिस्सा लेने वाले हैं। कार्यवाहक सरकार के गठन के बाद संसद भंग कर चुनाव की घोषणा की गई थी, जिसके चलते अब राजनीतिक दलों और नेताओं की सक्रियता तेज हो गई है। नेपाल में आगामी आम चुनाव से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अगुवाई वाली सरकार के चार मंत्रियों ने चुनाव लड़ने के लिए अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। नेपाल में 5 मार्च को होने वाले आम चुनाव लड़ने के लिए इन सभी ने अपना नामांकन दाखिल किया है। विज्ञान और शिक्षा मंत्री महाबीर पुन ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा देने के बाद म्याग्दी जिले से स्वतंत्र उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया। इससे पहले सोमवार को संचार मंत्री जगदीश खरेल और खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने भी मंत्री पद छोड़कर प्रतिनिधि सभा का चुनाव लड़ने का फैसला किया था। जगदीश खरेल ने राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की ओर से ललितपुर-2 निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया है, जबकि बबलू गुप्ता ने सिराहा-1 सीट से पर्चा भरा है। इसके अलावा, ऊर्जा और जल संसाधन मंत्री कुलमान घिसिंग ने कुछ सप्ताह पहले ही इस्तीफा देकर उज्यालो नेपाल पार्टी के अध्यक्ष के रूप में राजनीति में नई भूमिका संभाली थी। घिसिंग ने मंगलवार को काठमांडू निर्वाचन क्षेत्र संख्या-3 से अपना नामांकन दाखिल किया।

टैरिफ धमकी पर यूरोप की नाराजगी की अमेरिकी वित्त मंत्री ने की निंदा, बोले- थोड़ा इंतजार तो करें

दावोस (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ग्रीनलैंड के मुद्दे पर यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने का एलान कर चुके हैं। जिसके बाद अमेरिका और यूरोप के देशों में तनातनी का माहौल है। हालात ये हैं कि कई देश मौजूदा वैश्विक व्यवस्था के खत्म होने की आशंका जता रहे हैं, लेकिन अमेरिका के वित्त सचिव इससे चिंतित नहीं हैं और उनका कहना है कि यूरोपीय देशों को पहले ट्रंप की बात सुननी चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कुछ घंटों में दावोस पहुंचने वाले हैं। ट्रंप के दावोस पहुंचने पर पूरी दुनिया की नजरें हैं, जहां वे ग्रीनलैंड और यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी पर बयान दे सकते हैं। दावोस में आयोजित हो

रहे वैश्विक आर्थिक सम्मेलन में अमेरिका-यूरोप के बिगड़ते संबंध, ग्रीनलैंड और मौजूदा वैश्विक व्यवस्था पर खतरे का मुद्दा छाया हुआ है। इन मुद्दों को लेकर पूरी दुनिया में चिंता का माहौल है, लेकिन अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने टैरिफ को लेकर यूरोप की चिंता की निंदा की। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से जब ट्रंप की टैरिफ धमकी पर यूरोप की नाराजगी को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने यूरोप की निंदा की। स्कॉट बेसेंट ने यूरोपीय संघ से अपील करते हुए कहा कि वे ट्रंप के दावोस पहुंचने का इंतजार करें और एक बार यूरोपीय देश ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की चिंताओं को सुन लेंगे तो वे भी राजी हो जाएंगे। वित्त मंत्री भले ही यूरोप की धमकी को कमतर करके आंक रहे हों, लेकिन ट्रंप की यूरोपीय देशों को टैरिफ की धमकी देने के बाद अमेरिकी बाजार में बड़ी गिरावट देखी गई। हर सेक्टर में गिरावट दर्ज हुई। एसएंडपी 143 अंक गिरकर 6,796 अंकों पर पहुंच गया। अक्तूबर के बाद से यह सबसे बड़ी गिरावट है। हालांकि अमेरिकी वित्त मंत्री ने कहा कि वे इससे जरा भी चिंतित नहीं हैं। यूरोपीय देशों ने अमेरिका को दी पलटवार की धमकी स्कॉट बेसेंट का बयान ऐसे समय सामने आया है, जब मंगलवार को ही यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन ने ट्रंप के नए टैरिफ को गलती बताया और ट्रंप पर भरोसे पर सवाल उठाए। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि यूरोपीय संघ भी अमेरिका पर जवाबी पलटवार कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति के अगले तीन घंटे में दावोस पहुंचने की उम्मीद है। बुधवार को ही ट्रंप दावोस सम्मेलन को संबोधित करेंगे। फेडरल रिजर्व गवर्नर के प्रति नाराजगी भी जाहिर की स्कॉट बेसेंट ने अमेरिका के फेडरल रिजर्व के प्रति भी नाराजगी जाहिर की। ट्रंप प्रशासन फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिजा कुक को पद से हटाने की कोशिश कर रहा है। ट्रंप प्रशासन का आरोप है कि लिजा कुक ने मोर्गेज में गड़बड़ी की, लेकिन लिजा कुक ने इससे इनकार किया है। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर सुनवाई चल रही है। बीते 112 साल के इतिहास में किसी राष्ट्रपति ने अभी तक फेडरल रिजर्व के गवर्नर को पद से नहीं हटाया है।

चांद से भी आगे ले जाएगा आर्टेमिस-2, अप्रैल में लॉन्चिंग; अंतिम तैयारियों में जुटा नासा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नासा इंसानों को पृथ्वी की कक्षा से बाहर ले जाने की अंतिम तैयारियों में जुटा है। आर्टेमिस-2 की अप्रैल में लॉन्चिंग होगी। हालांकि एजेंसी इसे फरवरी की शुरूआत में लॉन्च करने की दिशा में भी काम कर रही है। चांद पृथ्वी से 41,541 मील दूर है लेकिन नासा के आगामी मिशन आर्टेमिस-2 के लिए यह दूरी सिर्फ एक पड़ाव भर है। यह वही मिशन है, जो अपोलो कार्यक्रम के बाद पहली बार इंसानों को पृथ्वी की कक्षा से बाहर, चांद के चारों ओर और उससे भी आगे ले जाएगा। नासा इस ऐतिहासिक उड़ान की अंतिम तैयारियों में जुटा है। आधिकारिक तौर पर इसका लक्ष्य अप्रैल 2026 है, जबकि एजेंसी इसे फरवरी की शुरूआत में लॉन्च करने की दिशा में भी काम कर रही है। नासा की आधिकारिक ताजा जानकारी और नेशनल जियोग्राफिक की रिपोर्ट के अनुसार आर्टेमिस-2 के कमांडर रीड विसमैन जब ओरियन यान के

सिम्युलेटर में बैठते हैं, तो उनके सामने अंतरिक्ष की असली खामोशी नहीं, बल्कि तारों से भरा एक आभासी आकाश होता है। नीली शर्ट पर बड़े अक्षरों में लिखा है आर्टेमिस। चारों ओर कांच की डिजिटल डिस्प्ले, स्विच और संकेतक लाइट्स, जो यह बताती हैं कि मिशन के दौरान हर सेकंड क्या चल रहा होगा। ओरियन कैप्सूल के कमांड मॉड्यूल में कुल पांच खिड़कियां हैं, ठीक वैसे ही, जैसे अपोलो यानों में हुआ करती हैं। इन सिम्युलेशन सत्रों में विसमैन और उनका दल उस हर परिस्थिति को समझने की कोशिश कर रहा है, जिसका सामना उन्हें असली उड़ान में करना पड़ सकता है। मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। कमांडर रीड विसमैन, पायलट विक्टर ग्लोवर, मिशन स्पेशलिस्ट क्रिस्टीना कोच और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के जेरेमी हैनसन। मई 2023 में क्रू की घोषणा के बाद से यह टीम लगातार ट्रेनिंग में जुटी है। इन अंतरिक्ष यात्रियों ने स्पेससूट्स में काम करने का अभ्यास भी किया है, जो किसी आपात स्थिति में 144 घंटे तक उन्हें जीवित रख सकते हैं।

माइक्रोप्लास्टिक से महासागर खो रहे कार्बन सोखने की ताकत

धरती की प्राकृतिक सुरक्षा हो रही कमजोर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अध्ययन में सामने आया है कि माइक्रो प्लास्टिक फाइटोप्लैंकटन की प्रकाश-संश्लेषण क्षमता को घटा देते हैं और जूप्लैंकटन के चयापचय को भी नुकसान पहुंचाते हैं। इसका सीधा नतीजा यह होता है कि जैविक कार्बन पंप कमजोर पड़ता है और महासागरों की कार्बन सोखने की क्षमता घटने लगती है। धरती को जलवायु संकट से बचाने वाली सबसे बड़ी प्राकृतिक ढाल महासागर अब खुद खतरे में हैं। एक नए अध्ययन ने चेताया है कि माइक्रोप्लास्टिक महासागरों की कार्बन सोखने की क्षमता को कमजोर कर रहे हैं। इससे न केवल ग्लोबल वॉर्मिंग तेज हो सकती है, बल्कि समुद्री पारिस्थितिकी, मछली उत्पादन और करोड़ों लोगों की आजीविका पर भी असर पड़ने की आशंका है। महासागर पृथ्वी के सबसे बड़े कार्बन सिंक माने जाते हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इंसानी गतिविधियों से उत्सर्जित कुल कार्बन डाइऑक्साइड का करीब 30 फीसदी हिस्सा महासागर अब तक

अपने भीतर समेट चुके हैं। इसके साथ ही महासागर ऑक्सीजन का भी सबसे बड़ा स्रोत हैं, जो पृथ्वी के तापमान संतुलन और जीवन के लिए अनिवार्य है। यही वजह है कि इन्हें जलवायु परिवर्तन के खिलाफ धरती की सबसे बड़ी प्राकृतिक सुरक्षा ढाल माना जाता है। यह अध्ययन यूनिवर्सिटी ऑफ शारजाह, द एजुकेशन यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग, बीजिंग नार्मल यूनिवर्सिटी और पेशावर विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकताओं ने किया है। इसके नतीजे जर्नल ऑफ हैजर्डस मैटेरियल्स : प्लास्टिक्स में प्रकाशित हुए हैं। अध्ययन से जुड़े शोधकर्ता डॉ. इहसानुल्लाह ओबैदुल्लाह के मुताबिक महासागरों में कार्बन जमा होने की एक अहम प्रक्रिया जैविक कार्बन पंप कहलाती है। समुद्र की सतह पर मौजूद फाइटोप्लैंकटन सूर्य के प्रकाश से भोजन बनाते हैं और इस प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड को सोख लेते हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।